RNI NO. PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

कामकाज पर आ गये, वापस सभी वकील।
आओ फिर दायर करें, कोई नई अपील।
कोई नई अपील, मुकदमा फिर से ठोकें।
रोका चालू करें, और चलते को रोकें।
कह साहिल कविराय, जिसे कह दें टांगेंगे।
इधर-उधर कुछ करें, फीस तब ही मांगेंगे।

प्रस्तुति : डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 03 | ISSUE 194 | THURSDAY DATE 06-08-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

संक्षिप्त खबरें

मानसून सत्र में कैग की दो रिपोर्ट और तीन अहम विधेयक सदन में पेश होंगे: विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली, यूटर्न/ 05 अगस्त । दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता की अध्यक्षता में बुधवार को बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि मानसून सत्र के दौरान भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की दो रिपोर्टें तथा दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग (डीईआरसी) से संबंधित एक अधिसूचना सदन के पटल पर रखी जाएगी। इसके अतिरिक्त, समयबद्ध सार्वजनिक सेवाओं की उपलब्धता, दिल्ली अर्बन शेल्टर इम्प्रूवमेंट बोर्ड तथा बेड एंड ब्रेकफास्ट प्रतिष्ठानों से संबंधित तीन विधेयक भी आठवीं विधानसभा के छठे सत्र (7 से 11 अगस्त, 2026) के दौरान प्रस्तुत किए जाएंगे।

तिरंगा विवाद पर महबूबा के बचाव में उतरे उमर अब्दुल्ला, बोले- गलती से उल्टा पकड़ा होगा झंडा

श्रीनगर, यूटर्न/ 05 अगस्त । जम्मू-कश्मीर में पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती से जुड़ा तिरंगा विवाद जोर पकड़ता जा रहा है। हालांकि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस मुद्दे पर पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती का बचाव किया है। बुधवार को मीडिया से बातचीत में उमर अबदुल्ला ने कहा कि उन्हें ऐसा नहीं लगता कि किसी राज्य की मुख्यमंत्री रह चुकीं एक नेता जानबूझकर तिरंगे को उल्टा पकड़ेंगी। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि ये गलती से अनजाने में हुआ होगा। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगा की स्टेट हेड जैसे पद पर रह चुका कोई नेता जानबूझकर राष्ट्रीय ध्वज को उल्टा पकड़ेगा। इसलिए मुझे लगता है कि उनसे ये गलती अनजाने में हुई होगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने अनुच्छेद 370 के खत्म किए जाने की सातवीं वर्षगांठ पर केंद्र सरकार पर भी जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सात साल बाद भी जम्मू-कश्मीर के लोगों के जख्म अभी हरे हैं। क्योंकि इतना लंबा समय बीतने के बाद भी जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस नहीं मिला है। वहीं, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि हाल ही में खराब मौसम, विशेषकर कुछ क्षेत्रों में बादल फटने के कारण, जमीन और संपत्ति को काफी नुकसान हुआ है। हमारा पहला प्रयास लापता लोगों का पता लगाना और उन्हें बचाना था। उसके बाद, हमने राहत कार्य शुरू किया।

सरकारी दफ्तरों के चक्कर होंगे खत्म, दिल्ली सरकार ला रही कारोबार आसान बनाने वाला बिल

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 05 अगस्त**

- रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रिमंडल की बैठक में दिल्ली ईज ऑफ डूइंग बिजनेस बिल के मसौदे पर चर्चा हुई

दिल्ली सरकार ने उद्योगों और निवेशकों के लिए प्रक्रियाओं को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने की पहल की है। प्रस्तावित ईज ऑफ डूइंग बिजनेस बिल के जरिए एकल खिड़की प्रणाली, कम अनुपालन, ऑनलाइन मंजूरियां और भरोसे पर आधारित प्रशासनिक व्यवस्था लागू करने की तैयारी है, जिससे निवेश और रोजगार दोनों को गति मिलने की उम्मीद है। इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रिमंडल की बैठक में दिल्ली ईज ऑफ डूइंग बिजनेस बिल, 2026 के मसौदे पर चर्चा हुई। इस प्रस्तावित कानून का मकसद दिल्ली को देश में उद्यम स्थापित करने और संचालित करने के लिए सबसे आसान स्थान बनाने की दिशा में व्यापक सुधार लागू करना है।

370 हटने से नई दिशा में कश्मीर: नरेंद्र मोदी

» **नयी दिल्ली, यूटर्न/ 05 अगस्त ।**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संविधान के अनुच्छेद 370 और 35 (ए) को निरस्त किये जाने को जम्मू कश्मीर एवं लद्दाख की यात्रा में निर्णायक अध्याय करार देते हुए कहा है कि इससे वहां के लोगों के जीवन में व्यापक बदलाव आया है तथा उन्हें सशक्त बनाया जा रहा है। श्री मोदी ने वर्ष 2019 में 05 अगस्त को संसद द्वारा इन अनुच्छेदों को निरस्त किये जाने का उल्लेख करते हुए बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक विस्तृत पोस्ट में कहा कि यह जम्मू कश्मीर और लद्दाख की यात्रा में एक निर्णायक अध्याय के रूप में याद किया जायेगा।

उन्होंने कहा , ' सात साल पहले, इसी दिन अनुच्छेद 370 और 35(ए) इतिहास बन गए, जिससे जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की यात्रा में एक निर्णायक नया अध्याय शुरू हुआ। तब से, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों के जीवन में व्यापक बदलाव आए हैं। बुनियादी ढांचे का विस्तार हुआ है और शिक्षा,

स्वास्थ्य सेवा, उद्यमिता और खेल जैसे क्षेत्रों में अवसर बढ़े हैं। चाहे महिलाएं हों या हाशिए पर रहने वाले समुदाय, जिन्हें दशकों तक उनके बुनियादी संवैधानिक अधिकारों से वंचित रखा गया था, उन्हें भारत के संविधान के पूर्ण कार्यान्वयन के कारण सशक्त बनाया गया है।'

भारतीय जन संघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की इस वर्ष 125 वीं जयंती का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने राष्ट्रीय एकता के उनके सपने को साकार किया है। उन्होंने कहा ,' इस वर्ष 05 अगस्त का महत्व और भी बढ़ जाता है क्योंकि इसी वर्ष हमारा देश डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती मना रहा है। राष्ट्रीय एकता के प्रति उनकी आजीवन प्रतिबद्धता पीढ़ियों को प्रेरित करती रही है। दशकों पहले उन्होंने जो सपना देखा था, वह 5 अगस्त 2019 को ऐतिहासिक रूप से साकार हुआ।'

प्रधानमंत्री ने जम्मू कश्मीर और लद्दाख की प्रगति के प्रति वचनबद्धता दोहराते हुए कहा , ' हम जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख की प्रगति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि हर नागरिक को बड़े सपने देखने, उन्हें हासिल करने तथा 'विकसित भारत' के निर्माण में योगदान देने का अवसर मिले।'

उल्लेखनीय है कि संसद ने वर्ष 2019 में आज ही के दिन संविधान के अनुच्छेद 370 और 35 ए को निरस्त कर दिया था। इस ऐतिहासिक निर्णय के जरिए जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा समाप्त कर उसे दो केन्द्र शासित प्रदेशों जम्मू कश्मीर और लद्दाख में बांट दिया गया था।

मोदी और शाह सदन में आकर जवाब दें : खरगे

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 05 अगस्त । संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले बुधवार को संसद परिसर में विपक्षी सांसदों ने मार्च निकालकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से सदन में आकर विपक्ष के सवालों का जवाब देने और इस मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि उनकी मांग है कि प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह सदन में आएं, बयान दें और सरकार इस मुद्दे पर चर्चा कराए। चर्चा से ही समाधान निकलेगा। श्री खरगे ने कहा कि श्री शाह जिस पद पर हैं, उस पद की जनता के प्रति जिम्मेदारियां हैं और देश लोकतंत्र से चलता है, किसी के राजदरबार से नहीं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि छात्रों पर गोलियां चलाई गईं, पैलेट गन और आंसू गैस के गोले दागे गए तथा लाठीचार्ज किया गया। उन्होंने कहा कि यदि यह सब हुआ है तो इसकी जिम्मेदारी श्री शाह को लेनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि संसद का सत्र शुरू हुए कई दिन हो चुके हैं लेकिन श्री मोदी सदन में नहीं आ रहे हैं, जो संसद का अपमान है।

इंस्टाग्राम पर आपत्तिजनक विज्ञापनों के मामले में एनएचआरसी सख्त, दिल्ली पुलिस कमिश्नर को भेजा समन

नई दिल्ली, यूटर्न/ 05 अगस्त । इंस्टाग्राम पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़े विज्ञापनों के मामले में लापरवाही बरतने पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को तलब किया है। आयोग ने बुधवार को समन जारी कर उन्हें 7 सितंबर को पेश होने का आदेश दिया। यह मामला बीबीसी वर्ल्ड सर्विस की एक रिपोर्ट से जुड़ा है। रिपोर्ट में कहा गया था कि इंस्टाग्राम पर 'रेप वीडियो' और 'चाइल्ड वीडियो' जैसे शब्दों वाले पेड विज्ञापन दिखाए जा रहे थे।

इतिहास पढ़ें, मदरसों की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता

नई दिल्ली, यूटर्न/ 05 अगस्त । ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख एवं सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के मदरसों संबंधी विवादित बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि मौर्य को इतिहास का समुचित अध्ययन करना चाहिए और यदि स्वयं अध्ययन संभव न हो तो किसी जानकार से इसके बारे में जानकारी लेनी चाहिए।

आतंकवाद पीड़ितों के परिजनों के लिए सरकारी नौकरियां, न्याय और पुनर्वास की दिशा में एक नया अध्याय : एलजी सिन्हा

» **श्रीनगर, यूटर्न/ 05 अगस्त ।**

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को कहा कि आतंकी हमलों के पीड़ितों के परिजनों को सरकारी नौकरी देना केंद्रशासित प्रदेश में न्याय और पुनर्वास की दिशा में एक नया अध्याय है।

श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) में एक कार्यक्रम, जहां आतंकवादी हिंसा में मारे गए नागरिकों के परिजनों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए, का आयोजन हुआ। यहां उपराज्यपाल ने कहा कि आतंकवादी हिंसा में मारे गए नागरिकों के परिजनों को सरकारी नौकरी देने का सरकार का निर्णय प्रभावित परिवारों को न्याय, पुनर्वास और सम्मानजनक आजीविका सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हिंसा के शिकार हर पात्र परिवार को प्रशासन से उचित सहयोग मिलेगा। उपराज्यपाल ने इस पहल को एक

ऐतिहासिक मानवीय कदम बताया, जिसका उद्देश्य उन परिवारों में उम्मीद, सम्मान और वित्तीय सुरक्षा की भावना को फिर से जगाना है, जिन्होंने आतंकवाद के कारण वर्षों तक पीड़ा और अनिश्चितता का सामना किया है।

उन्होंने कहा कि किसी प्रियजन को खोने की भरपाई कोई नौकरी या वित्तीय सहायता नहीं कर सकती, फिर भी आतंकवादी हिंसा से तबाह हुए परिवारों के साथ मजबूती से खड़े रहना सरकार की संवैधानिक, नैतिक और मानवीय जिम्मेदारी है।

दिल्ली को वैश्विक पहचान दिलाने की तैयारी

एलजी संधू ने बनाई 'संस्कृति और नाइट इकोनॉमी' की बड़ी योजना

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 05 अगस्त ।**

राजधानी की समृद्ध विरासत, कला और डिजाइन परंपराओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने के लिए उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने एक बड़े रोडमैप पर काम करने के निर्देश दिए हैं।

बुधवार को आयोजित एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में एलजी ने अधिकारियों से स्पष्ट कहा कि दिल्ली की सांस्कृतिक विरासत केवल संरक्षण तक सीमित न रहे, बल्कि इसे पर्यटन और रचनात्मक अर्थव्यवस्था से जोड़कर जन-जन तक पहुंचाया जाए। बैठक में दिल्ली विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष और पर्यटन विभाग के सचिव समेत कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। इस दौरान दिल्ली की ऐतिहासिक पहचान को आधुनिक पर्यटन और रोजगार के अवसरों से जोड़ने पर गहन मंथन किया गया।

बैठक में एलजी संधू ने कहा कि संस्कृति और विरासत केवल संरक्षण का विषय नहीं हैं, बल्कि मजबूत नागरिक पहचान और राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम भी हैं। उन्होंने कहा कि कला, डिजाइन, हस्तशिल्प और प्रदर्शन कलाओं से जुड़ी रचनात्मक अर्थव्यवस्था रोजगार सृजन के साथ दिल्ली की सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूत कर सकती है। इसके लिए सरकार के साथ-साथ नागरिकों, कलाकारों और युवाओं की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। एलजी ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत दिल्ली के लिए विश्वस्तरीय सांस्कृतिक आयोजनों की शुरूआत करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया के प्रमुख शहरों की तरह दिल्ली में भी ऐसे प्रतिष्ठित सांस्कृतिक आयोजन होने चाहिए, जो हर वर्ष आयोजित हों और देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करें।

संक्षिप्त खबरें

बुद्ध चौक के सौंदर्यीकरण की स्थानीय लोगों ने की मांग

वसुंधरा, यूटर्न/ 05 अगस्त । सेक्टर-5, 6, 7 और 8 के बीच पुलिस कोतवाली के पास स्थित भगवान बुद्ध चौक के अधूरे सुंदरीकरण को लेकर लोगों में नाराजगी है। डॉ. बीआर आंबेडकर जनकल्याण समिति के अध्यक्ष सोहनबीर सिंह ने बताया कि चौक के समुचित विकास के लिए पहले भी गाजियाबाद नगर निगम को पत्र लिखा गया था, लेकिन कार्य अब तक पूरा नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि बुद्ध प्रतिमा पर छत भी करीब नौ महीने की देरी से बनाई गई। अब पंचशील के सिद्धांतों के अनुरूप चौक का रंग-रोगन और सुंदरीकरण कराया जाना बाकी है। उन्होंने जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत करके नगर निगम से जल्द कार्य पूरा कराने की मांग की है.

पति को दूसरा निकाह करने से रोका तो की महिला से मारपीट

साहिबाबाद, यूटर्न/ 05 अगस्त। थानाक्षेत्र के शहीद नगर कॉलोनी निवासी सिमरन ने अपने पति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। आरोप है कि उनका दूसरी शादी करना चाहता है और विरोध पर मारपीट करता है। पुलिस ने चार अगस्त को मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। सिमरन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके पहले पति की 28 अक्तूबर 2024 को मौत हो गई थी। मई 2026 में उन्होंने कॉलोनी के ही रहने वाले वसीम से दूसरा निकाह किया था। आरोप है कि एक माह पहले उन्हें पता चला कि वसीम भी दूसरे निकाह की तैयारी कर रहा है। जब उन्होंने इसका विरोध किया तब आरोपी ने उन्हें बुरी तरह पीटा। साथ ही जान से मारने की धमकी दे डाली। एसीपी साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि मामले की जांच व तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कावड़ यात्रा महान तपस्या है, कावड़ियों की सेवा श्रद्धा, भक्ति एवं आस्था का प्रतीक : ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी

हवन यज्ञ के साथ श्री जयराम संस्थाओं के परमाध्यक्ष ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी ने किया 7वें हर हर महादेव सेवा मंडल कावड़ शिविर का शुभारम्भ

» अश्विनी वालिया

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 05 अगस्त । तीर्थों की संगम स्थली धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में सावन महीने के चलते चारों ओर बम बम भोले की गूंज हो रही है। बुधवार को देशभर में संचालित श्री जयराम परमाध्यक्ष ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी ने विधिवत मंत्रोच्चारण के बीच हवन यज्ञ से नगर के पुराने बस अड्डे के समक्ष 7 वें हर हर महादेव सेवा मंडल के छठे कावड़ शिविर का शुभारम्भ किया। इस मौके पर हवन यज्ञ में हर हर महादेव सेवा मंडल संस्था के बलबीर डाबरिया, अध्यक्ष भीम सिंह, विवेक भारद्वाज, वैभव गर्ग, सुरेंद्र सैनी, बंटी अरोड़ा, साहिल, साहिल गर्ग, अश्वनी, शगुन, आर्यन, नरेश कुमार, संजीव सीकरी एवं यशपाल राणा इत्यादि ने आहुतियां दी। इस कावड़ शिविर में हरिद्वार से कावड़ लाने वाले शिव भक्तों के भोजन, चिकित्सा सहायता इत्यादि के साथ ठहरने की भी व्यापक व्यवस्था की गई है। कावड़ शिविर के शुभारम्भ के उपरांत परमाध्यक्ष ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी ने कहा कि हरिद्वार से गंगा जल लाने की कावड़ यात्रा एक महान तपस्या है और कावड़ियों की सेवा, श्रद्धा, भक्ति और आस्था का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कावड़ यात्रा, भगवान शिव के भक्तों द्वारा सावन के महीने में की जाने वाली एक महत्वपूर्ण धार्मिक यात्रा है। इस यात्रा में, भक्त नंगे पैर सैकड़ों किलोमीटर की यात्रा करते हैं।

फायर एनओसी के इंतजार में अटका आरएमएल सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 05 अगस्त

डॉ. राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल का 600 बिस्तरों वाला सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र (फायर एनओसी) नहीं मिलने के कारण अटका हुआ है। इस पर दिल्ली हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि जनहित से जुड़ी इस महत्वपूर्ण परियोजना में किसी भी तरह की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ सामाजिक न्याय संगठन सोशल ज्यूरिस्ट की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सत्यकाम ने अदालत को बताया कि अस्पताल भवन तैयार होने के बावजूद फायर एनओसी न मिलने से मरीजों को आधुनिक सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

अग्निशमन विभाग ने तीन बार की जांच, हर बार मिली खामी

अग्निशमन विभाग की ओर से अधिवक्ता समीर वशिष्ठ ने अदालत को बताया कि फायर एनओसी के लिए दायर आवेदन पर पहली जांच में 20 बड़ी कमियां मिली थीं, जिसके बाद गत 9 मार्च को आवेदन खारिज कर दिया गया। दूसरी बार 4 जुलाई को निरीक्षण हुआ,

लेकिन कोई भी कमी दूर नहीं पाई गई। इसके चलते 22 जुलाई को आवेदन फिर अस्वीकार कर दिया गया।

अदालत के निर्देश पर 1 अगस्त को तीसरी बार निरीक्षण किया गया। विभाग तीन दिन के भीतर अपनी रिपोर्ट अस्पताल प्रशासन और केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) के मुख्य वास्तुकार को सौंपेगा। हाईकोर्ट ने सीपीडब्ल्यूडी को भी मामले में पक्षकार बनाते हुए निर्देश दिया कि रिपोर्ट मिलते ही शेष कमियों को तत्काल दूर किया जाए। अदालत ने यह भी कहा कि फायर एनओसी के अलावा अस्पताल प्रशासन सभी अन्य आवश्यक अनुमतियां पहले ही प्राप्त कर चुका है।

समय पर चालू होता अस्पताल तो हजारों लोगों की बचती जान

यह अत्यंत गंभीर मुद्दा है। प्रतिदिन सैकड़ों गरीब मरीज इलाज के अभाव में जान गंवा देते हैं। यहां 600 बिस्तरों का सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक तैयार है, लेकिन फायर एनओसी न मिलने के चलते उसे संचालन में नहीं लाया जा सका। यदि इसे समय पर चालू कर दिया गया होता, तो हजारों लोगों की जान बच सकती थी। सरकार की निष्क्रियता आम नागरिकों के मौलिक स्वास्थ्य अधिकार का उल्लंघन है।

अदालत ने कहा, मामले को उच्च प्राथमिकता पर रखें

हाईकोर्ट ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा से भी मामले में सहायता मांगी है। अदालत ने इस प्रकरण को ''हाई ऑन बोर्ड'' यानी उच्च प्राथमिकता वाले मामलों में रखने का निर्देश दिया। अगली सुनवाई 7 सितंबर को होगी, जिसमें सीपीडब्ल्यूडी और अस्पताल प्रशासन को अनुपालन एवं प्रगति रिपोर्ट दाखिल करनी होगी। कोर्ट ने दोहराया कि 600 बिस्तरों की यह अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधा जल्द शुरू होना जनहित की आवश्यकता है।

सेंट पीटर कॉन्वेंट स्कूल में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 05 अगस्त । सेंट पीटर कॉन्वेंट स्कूल, कुरुक्षेत्र में आज ब्रह्माकुमारीज के सहयोग से नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना तथा स्वस्थ, सकारात्मक एवं संस्कारयुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करना था। ब्रह्माकुमारीज की बहनों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और समाज पर गंभीर दुष्प्रभाव डालता है। उन्होंने राजयोग मेडिटेशन, आत्मविश्वास और अच्छे संस्कारों के माध्यम से नशे से दूर रहने का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने भी नशामुक्त भारत के निर्माण में अपना योगदान देने का संकल्प लिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री विपिन कुमार ने ब्रह्माकुमारीज की इस प्रेरणादायी पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। कार्यक्रम का समापन सभी विद्यार्थियों द्वारा नशा मुक्त जीवन जीने की शपथ के साथ हुआ। यह कार्यक्रम ब्रह्माकुमारीज के राष्ट्रव्यापी नशा मुक्ति जनजागरण अभियान की भावना के अनुरूप आयोजित किया गया।

सांप के काटने पर झाड़-फूंक नहीं होता, तुरंत अस्पताल पहुंचे और एंटी स्नेक वेनम लें: उपायुक्त

बारिश के मौसम में बढ़ा सर्पदंश का खतरा, बचाव और उपचार को लेकर प्रशासन ने किया , जागरूक

» पानीपत, यूटर्न/ 05 अगस्त ।

बरसात के मौसम में सांपों के निकलने और सर्पदंश की घटनाओं की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन ने आमजन से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि बारिश के दिनों में खेतों, झाड़ियों, जलभराव वाले क्षेत्रों तथा सुनसान स्थानों पर सांपों के निकलने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में नागरिक पूरी सावधानी बरतें और किसी भी प्रकार की लापरवाही न करें।

उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को सांप काट ले तो घबराने की बजाय तुरंत नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल पहुंचें। उन्होंने कहा कि झाड़-फूंक, टोने-टोटके अथवा घरेलू उपचार में समय नष्ट करना मरीज के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। समय पर चिकित्सा ही सर्पदंश से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। उन्होंने कहा कि सांप काटने के बाद प्रभावित स्थान पर किसी प्रकार का कट नहीं लगाना चाहिए, न ही मिर्च, मिट्टी या अन्य पदार्थ लगाएं। प्रभावित अंग को कपड़े या रस्सी से कसकर बांधना भी नुकसानदायक हो सकता है, क्योंकि इससे रक्त प्रवाह बाधित होने का खतरा रहता है। मरीज को शांत रखते हुए जल्द से जल्द चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराना सबसे जरूरी है।

सीएमओ विजय मलिक के अनुसार अधिकांश सांप जहरीले नहीं होते, लेकिन जहरीले सांप के काटने पर समय पर इलाज नहीं मिलने से स्थिति गंभीर हो सकती है। इसलिए बिना देर किए अस्पताल पहुंचना आवश्यक है। सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में एंटी स्नेक वेनम सहित आवश्यक उपचार की व्यवस्था उपलब्ध रहती है। उन्होंने नागरिकों को सलाह दी है कि खेतों, घास-फूस, झाड़ियों तथा ऐसे स्थानों पर जाते समय पूरे कपड़े और मजबूत जूते पहनें।

1.30 करोड़ रुपए की सराफा लूट का खुलासा, 5 आरोपी गिरफ्तार, पूरा लूटा गया माल बरामद

ग्रेटर नोएडा, यूटर्न/ 05 अगस्त । गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट ने महज तीन दिन के भीतर चांदी व्यापारी से हुई करोड़ों रुपए की लूट का सफल खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 1 करोड़ 30 लाख रुपए मूल्य का सोना और चांदी, घटना में प्रयुक्त बिना नंबर प्लेट की बलेनो कार, एक अवैध तमंचा और दो जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, बरामद आभूषणों की कीमत एक करोड़ रुपए से अधिक होने के कारण मामले की सूचना आयकर विभाग (इनकम टैक्स) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को भी भेजी जाएगी। डीसीपी ग्रेटर नोएडा ने बताया कि यह घटना 2 अगस्त 2026 की सुबह करीब 4:30 बजे थाना बीटा-2 क्षेत्र में जीरो प्वाइंट के पास हुई थी। दिल्ली के चांदनी चौक से एक सराफा व्यापारी सोने-चांदी के आभूषण आगरा में डिलीवरी के लिए लेकर जा रहा था। इसी दौरान आरोपियों ने दुर्घटना का बहाना बनाकर व्यापारी की गाड़ी रुकवाई और तमंचे के बल पर आभूषणों से भरा बैग लूटकर फरार हो गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस कमिश्नरेट ने तत्काल पांच विशेष टीमों का गठन किया। एसओजी ग्रेटर नोएडा, थाना बीटा-2 और थाना इकोटेक-1 पुलिस की संयुक्त टीम ने 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों, सर्विलांस और लोकल इंटेलिजेंस की मदद से आरोपियों तक पहुंच बनाई।

स्वच्छ पानी देने की मांग को लेकर जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को लिखा पत्र

पानीपत, यूटर्न/ 05 अगस्त । इंद्रा कॉलोनी, मॉडल टाउन, पानीपत निवासी युवराज सिंह मरवाहा ने कॉलोनी में स्वच्छ पानी देने और पानी की पाइपलाइन ठीक करने की मांग को लेकर कार्यकारी अभियंता, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग पानीपत को पत्र लिखा है । युवराज सिंह मरवाहा ने पत्र में वर्णित किया है कि पिछले कई दिनों से इंद्रा कालोनी में पेयजल की आपूर्ति अत्यंत गंदे एवं दूषित पानी रूप में हो रही है। गंदे पानी की समस्या अनेक परिवारों को झेलनी पड़ रही है। दूषित पानी आने के कारण लोगों को पीने ,भोजन बनाने एवं दैनिक उपयोग में होने वाले पानी को लेकर भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है । जलजनित बीमारियों से कालोनी में खतरा भी बढ़ गया है। स्थानीय लोगों की ओर से आशंका जताई जा रही है कि पेयजल पाइपलाइन में सीवर का पानी मिलकर आ रहा है या कहीं से पाइपलाइन क्षतिग्रस्त है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ की कार्रवाई, 23 लाख की दवाएं बरामद

नई दिल्ली, यूटर्न/ 05 अगस्त । दिल्ली एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ ने 23 लाख रुपए से ज्यादा की दवाएं पकड़ी। एक अंतरराष्ट्रीय यात्री इन दवाओं को बिना जरूरी कागजों के इथियोपिया के अदीस अबाबा ले जाने की कोशिश कर रहा था।

सीआईएसएफ के जवानों को यात्री के व्यवहार में कुछ संदिग्ध लगा। प्रोफेशनल सतर्कता दिखाते हुए उन्होंने अदीस अबाबा जा रहे इस यात्री को रैंडम चेकिंग के लिए अलग कर दिया। बैगेज की एक्स-रे स्क्रीनिंग में कुछ तस्वीरें संदिग्ध लगीं। इसके बाद गहन जांच की गई। ईटीडी यानी विस्फोटक ट्रेस डिटेक्शन मशीन में जांच नेगेटिव आई, इसके बावजूद जवानों ने यात्री पर नजर रखी। इमिग्रेशन की औपचारिकताएं पूरी होने के बाद जब यात्री कस्टम के डिपार्चर एरिया में पहुंचा तो उसे रोका गया। शारीरिक जांच में बैग से करीब 23.04 लाख रुपए कीमत की दवाएं मिलीं। पूछताछ में यात्री इतनी महंगी दवाएं ले जाने का कोई वैध दस्तावेज या पर्चा नहीं दिखा सका। इसके बाद यात्री को बरामद दवाओं के साथ आगे की कार्रवाई के लिए कस्टम अधिकारियों को सौंप दिया गया। सीआईएसएफ ने कहा कि यह कार्रवाई उनकी सतर्क स्क्रीनिंग और दूसरी एजेंसियों के साथ बेहतर तालमेल का नतीजा है। सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स देश की प्रमुख केंद्रीय सशस्त्र पुलिस फोर्स में से एक है।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

कांग्रेस सरकार की 'पदक लाओ, पद पाओ' खेल नीति ने हरियाणा को बनाया था खेलों का सिरमौर: विधायक नरेश सेलवाल

» **राजेश सलूजा**

हरियाणा, यूटर्न/ 05 अगस्त। उकलाना के विधायक नरेश सेलवाल ने कहा कि वर्ष 2009 से 2014 के दौरान हरियाणा में कांग्रेस सरकार और तत्कालीन मुख्यमंत्री चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में लागू की गई 'पदक लाओ, पद पाओ' खेल नीति ने प्रदेश को देश का अग्रणी खेल राज्य बनाया। इस नीति के तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को हरियाणा पुलिस में डीएसपी, इंस्पेक्टर सहित विभिन्न सरकारी विभागों में सम्मानजनक पदों पर नियुक्तियां दी गईं। इसके साथ ही खिलाड़ियों को हरसंभव सुविधाएं और प्रोत्साहन प्रदान किया गया। उन्होंने हाल ही में संपन्न कॉमनवेल्थ खेलों में पदक जीतने वाले भारत एवं हरियाणा के सभी खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खिलाड़ियों की मेहनत पूरे देश और प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। विधायक नरेश सेलवाल ने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में प्रदेश के प्रत्येक ब्लॉक में खेल स्टेडियमों का निर्माण कराया गया। जो खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर आते थे, उनके गांव को आदर्श गांव के रूप में विकसित किया जाता था तथा वहां खेल स्टेडियम सहित अन्य विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाती थी। इसी दूरदर्शी खेल नीति का परिणाम था कि हरियाणा के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अभूतपूर्व सफलता हासिल की।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2010 में नई दिल्ली में आयोजित कॉमनवेल्थ खेलों में भारत ने कुल 101 पदक जीते थे, जिनमें 38 स्वर्ण, 27 रजत और 36 कांस्य पदक शामिल थे। इनमें अकेले हरियाणा के खिलाड़ियों ने 19 स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश का नाम पूरे देश में रोशन किया था।

विधायक सेलवाल ने कहा कि हाल ही में संपन्न 2026 के कॉमनवेल्थ खेलों में भारत ने कुल 39 पदक जीते, जिनमें 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य पदक शामिल हैं। वहीं हरियाणा के खिलाड़ियों ने 7 स्वर्ण, 2 रजत और 1 कांस्य पदक अपने नाम किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2010 की तुलना में यह प्रदर्शन काफी कम है, जिसका प्रमुख कारण प्रदेश में खिलाड़ियों के लिए प्रभावी खेल नीति और पर्याप्त सुविधाओं का अभाव है।

उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार खिलाड़ियों के प्रति गंभीर नहीं है। प्रदेश में खेल स्टेडियमों की स्थिति चिंताजनक है और अभ्यास के दौरान अव्यवस्थाओं के कारण खिलाड़ियों की जान तक चली जाती है, जो सरकार की लापरवाही और असंवेदनशीलता को दर्शाता है।

नरेश सेलवाल ने कहा कि लोकसभा सांसद चौधरी दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने भी संसद में यह मुद्दा उठाया है कि जहां गुजरात जैसे राज्यों में खिलाड़ियों की उपलब्धियां सीमित हैं, वहां खेलों के लिए लगभग 600 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जबकि देश को सर्वाधिक पदक दिलाने वाले हरियाणा को मात्र 65 करोड़ रुपये दिए गए हैं। यह हरियाणा के खिलाड़ियों के साथ स्पष्ट भेदभाव है।

उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार खिलाड़ियों की लगातार अनदेखी कर रही है। यदि वर्ष 2030 के कॉमनवेल्थ खेलों का आयोजन भारत में प्रस्तावित है और गुजरात को मेजबानी दी जा रही है, तो देश को सर्वाधिक पदक दिलाने वाले हरियाणा को भी सह-मेजबान (उङ्क-ङ्क२३) बनाया जाना चाहिए। इससे प्रदेश की खेल संस्कृति को और मजबूती मिलेगी तथा खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे। विधायक नरेश सेलवाल ने कहा कि हरियाणा के खिलाड़ियों ने हमेशा देश का मान बढ़ाया है, इसलिए उन्हें सम्मान, संसाधन और अवसर देना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।

आमजन अब ई-दिशा केंद्र के माध्यम मोटर वाहन अधिनियम से संबंधित चालान का कर सकते है भुगतान :एसपी चंद्रमोहन

» **परमिंदर सिंह**

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 05 अगस्त । पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन ने कहा कि आमजन की सुविधा के लिए प्रशासन द्वारा महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। इस निर्णय के तहत अब आमजन अपने मोटर वाहन अधिनियम से संबंधित हर प्रकार के चालान भुगतान ई-दिशा केंद्र के माध्यम से कर सकता है। अहम

पहलू यह है कि पुलिस लाईन स्थित चालान भुगतान केंद्र को अब न्यू लघु सचिवालय प्रथम तल स्थित ई-दिशा केंद्र में स्थापित कर दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन ने जानकारी देते हुए कहा कि नागरिकों की सुविधा के लिए अब मोटर वाहन अधिनियम से संबंधित चालान के भुगतान व्यवस्था को ओर अधिक सरल बनाया गया है। इसके तहत अब नागरिकों को मोटर वाहन अधिनियम से संबंधित चालान के भुगतान के लिए पुलिस लाईन जाने की जरुरत नहीं पड़ेगी। अब आमजन की सुविधा के लिए मोटर वाहन अधिनियम के तहत हुए किसी भी प्रकार के चालान के भुगतान के लिए ई-दिशा केंद्र में डेस्क स्थापित कर दिया गया है। वाहन चालक इस डेस्क के माध्यम से सरलता से अपने चालान का भुगतान कर सकते है।

डी.जी.बी. राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्रशासनिक एवं वित्तीय मामलों पर तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

» **निर्मल सिंह विर्क**

पानीपत, यूटर्न/ 05 अगस्त। हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान (एचआईपीए) के तत्वावधान में डीटीसी, रोहतक द्वारा दीनबंधु गुप्ता राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पानीपत में प्रशासनिक एवं वित्तीय मामले विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। यह कार्यशाला 5 अगस्त से 7 अगस्त, 2026 तक आयोजित की जा रही है।

कार्यशाला का उद्देश्य महाविद्यालयों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सेवा अवधि के दौरान प्रशासनिक प्रक्रियाओं तथा वित्तीय प्रबंधन से संबंधित नियमों एवं प्रावधानों की अद्यतन जानकारी प्रदान करना है। प्रथम दिवस के सत्र में सेवा के दौरान होने वाले विभिन्न वित्तीय मामलों, वेतन निर्धारण, अवकाश, भत्तों, पेंशन संबंधी प्रावधानों, सरकारी वित्तीय नियमों तथा प्रशासनिक प्रक्रियाओं पर विशेषज्ञों द्वारा विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। कार्यशाला में लगभग 50 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों से विभिन्न प्रशासनिक एवं वित्तीय विषयों पर अपने प्रश्न पूछे, जिनका विस्तार से समाधान किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन तथा नियमों के प्रभावी अनुपालन पर विशेष बल दिया।

आयोजकों ने बताया कि आगामी दो दिनों में भी प्रशासनिक एवं वित्तीय प्रबंधन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञ व्याख्यान, संवादात्मक सत्र तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे, जिससे प्रतिभागियों की कार्यकुशलता एवं प्रशासनिक दक्षता में वृद्धि होगी।

लुवास में शिक्षकों को पदोन्नति, कुलपति ने सौंपे आदेश

» **हरियाणा, यूटर्न/ 05 अगस्त ।**

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास), हिसार में कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के तहत विभिन्न विभागों के शिक्षकों को पदोन्नति प्रदान की गई। विश्वविद्यालय की पर्सोनल कमेटी एवं बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट की अनुशंसा पर कुलपति प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार वर्मा ने बुधवार को कुलपति सचिवालय में पदोन्नति आदेश जारी किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. आर. एन. चौधरी भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय द्वारा जारी आदेशों के अनुसार डॉ. अशोक कुमार मलिक (मीट टेक्नोलॉजी), डॉ. विकास नेहरा (वेटरिनरी पैथोलॉजी), डॉ. रेनू गुप्ता (वेटरनरी पब्लिक हेल्थ), डॉ. ज्ञान सिंह (वेटरिनरी गायनेकोलॉजी एवं ऑब्स्टेट्रिक्स), डॉ. दिव्या

अग्निहोत्री (वेटरिनरी मेडिसिन), डॉ. अमन कुमार (एनिमल बायोटेक्नोलॉजी), डॉ. वंदना भनोट (वेटरिनरी माइक्रोबायोलॉजी) तथा डॉ. दीपिका (वेटरिनरी पैथोलॉजी) को कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के अंतर्गत पदोन्नति प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त डॉ. बिस्वा रंजन महारणा को सीनियर साइंटिस्ट (वेटरनरी पैरासिटोलॉजी) के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार वर्मा ने सभी पदोन्नत शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षक किसी भी विश्वविद्यालय की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं। उन्होंने कहा कि पदोन्नति केवल उत्कृष्ट कार्यों का सम्मान नहीं, बल्कि नई जिम्मेदारियों के प्रति विश्वास का प्रतीक भी है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी पदोन्नत शिक्षक शिक्षा, अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों में उत्कृष्ट कार्य करते हुए विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा को और अधिक सुदृढ़ करेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार सभी पदोन्नतियां विश्वविद्यालय की अधिसूचित कैरियर एडवांसमेंट स्कीम, विश्वविद्यालय अधिनियम तथा समय-समय पर जारी नियमों एवं दिशा-निदेर्शों के अनुरूप प्रदान की गई हैं। इस अवसर पर लुवास शिक्षक संघ (लुवास्टा) के अध्यक्ष डॉ. अमित पूनिया ने सभी पदोन्नत शिक्षकों को समस्त लुवास्टा की तरफ से बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनकी मेहनत, समर्पण एवं उत्कृष्ट कार्य का सम्मान है।

उन्होंने कुलपति प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार वर्मा तथा विश्वविद्यालय प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षकों की पदोन्नति से संबंधित मामलों का समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से निस्तारण करना प्रशासन की सकारात्मक कार्यशैली को दर्शाता है। इससे शिक्षकों का मनोबल बढ़ेगा, उनमें नई ऊर्जा का संचार होगा तथा वे शिक्षा, अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों में और अधिक समर्पण के साथ कार्य करते हुए विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, पाबड़ा में स्थापना दिवस समारोह उत्साहपूर्वक सम्पन्न

» **हरियाणा, यूटर्न/ 05 अगस्त ।**

पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, पाबड़ा (हिसार) में विद्यालय का स्थापना दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी, हिसार श्री राम रतन जी रहे। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों, देशभक्ति गीतों, नृत्य एवं अन्य प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। अपने प्रेरणादायक संबोधन में जिला शिक्षा अधिकारी, हिसार श्री राम रतन जी ने विद्यार्थियों को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने का संदेश दिया। उन्होंने युवाओं से पर्यावरण

संरक्षण के प्रति जागरूक रहने, अधिक से अधिक पौधारोपण करने तथा खेलों से जुड़कर स्वस्थ एवं अनुशासित जीवन अपनाने का आ'ान किया। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास एवं टीम भावना का विकास करते हैं, इसलिए प्रत्येक विद्यार्थी को नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेना चाहिए। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य श्री हंसराज ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए विद्यालय की उपलब्धियों तथा शैक्षणिक, खेल एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यालय परिवार की ओर से श्री राम रतन जी का कार्यक्रम में पधारने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया।

कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही मजबूत होगा कांग्रेस संगठन

अब ब्लॉक और गांव स्तर पर होगा विस्तार: बृजलाल बहबलपुरिया

» **हरियाणा, यूटर्न/ 05 अगस्त ।**

जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण), हिसार की मासिक बैठक आज कांग्रेस भवन, हिसार में जिला अध्यक्ष बृजलाल बहबलपुरिया की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा, जनहित के मुद्दों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में कांग्रेस को और अधिक सक्रिय बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष बृजलाल बहबलपुरिया ने कहा कि कांग्रेस संगठन की असली ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। अब संगठन को बूथ, मंडल, ब्लॉक और गांव स्तर तक मजबूत करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने हाल ही में नियुक्त सभी ब्लॉक अध्यक्षों से अपने-अपने क्षेत्रों में संगठन

को सक्रिय करने और प्रत्येक गांव तक कांग्रेस की विचारधारा पहुंचाने का आ'ान किया। उन्होंने कहा कि अब से संगठन की अधिकांश बैठकें जिला मुख्यालय के बजाय ब्लॉक स्तर पर आयोजित की जाएंगी, जिससे ग्रामीण कार्यकर्ताओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित हो सके। जल्द ही प्रत्येक ब्लॉक में मंडल एवं बूथ स्तर की समितियों का गठन किया जाएगा, ताकि संगठन की जड़ें गांव-गांव तक मजबूत हों और आमजन की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाया जा सके।

बैठक में संगठनात्मक विस्तार, सदस्यता अभियान, बूथ प्रबंधन, आगामी कार्यक्रमों तथा जनसंपर्क अभियान को लेकर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत बनाने के लिए पूरी निष्ठा और सक्रियता से कार्य करने का संकल्प लिया।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

चढ़ावा चोरी पर हंगामा, केंद्र एवं उत्तर प्रदेश सरकार निशाने पर

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा और दान चोरी के मामले में संसद और उत्तर प्रदेश विधानसभा के परिसर में विपक्षी दल और समाजवादी पार्टी के सांसदों और विधायकों द्वारा लगातार हंगामा किया जा रहा है। यह हंगामा सदन के अंदर और सदन के बाहर भी हो रहा है। विपक्षी दल इस पर चर्चा करने की मांग पर अड़े हुए हैं। वहीं सरकार इस मामले में चर्चा करने के लिए तैयार नहीं है, जिसके कारण हंगामा और गतिरोध प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। इस कारण अब संसद के दोनों सदन लोकसभा और राज्यसभा के साथ ही उत्तर प्रदेश विधानसभा की कार्यवाही भी प्रभावित हो रही है। सदन में कामकाज नहीं हो पा रहा है। मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। इस मामले में अब आसंदी भी निष्पक्ष नहीं रही, वह भी निशाने पर आ गई है। संसदीय परंपराओं में यह एक ऐसी घटना है जिससे संसदीय कार्यवाही में आसंदी को लेकर जो पक्ष और विपक्ष के बीच में विश्वास होता था सदन का अध्यक्ष पक्ष और विपक्ष को जोड़ने का काम करता था, दोनों पक्षों पर विवाद होने की स्थिति में दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर संसद और विधानसभा में गतिरोध खत्म करने के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका होती थी। अब यह भूमिका भी समाप्त होती हुई नजर आ रही है। सदन के अध्यक्ष का निर्वाचन बहुमत के आधार पर होता है। निश्चित रूप से बहुमत सत्ताधारी पार्टी के पास होता है। यदि अध्यक्ष सत्ताधारी दल के लाभ-हानि को ध्यान में रखते हुए निर्णय करने लगेगा तो संसदीय परंपराओं को चला पाना संभव नहीं होगा। हाल ही में उत्तर प्रदेश में मानसून सत्र शुरू हुआ। कुछ महीने बाद उत्तर प्रदेश में विधानसभा के चुनाव होने हैं। निश्चित रूप से अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा और दान चोरी के मामले में भाजपा बचाव की मुद्रा में है। वहीं प्रमुख विपक्षी दल समाजवादी पार्टी आक्रामक मुद्रा में है। जितना यह मामला तूल पकड़ेगा उतना ही फायदा विपक्ष और नुकसान सत्तारूढ़ पार्टी को होगा। उत्तर प्रदेश विधानसभा में जिस तरह का प्रदर्शन हुआ है। विधानसभा के अध्यक्ष ने जिस तरह से विधायकों से चंदा देने के प्रमाण पेश करने को कहा। मुख्यमंत्री के खिलाफ सपा विधायक पोस्टर लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। विधायक सदन के अंदर नारेबाजी कर रहे थे तब विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने विधायक सचिन यादव को सदन से बाहर करते हुए संपूर्ण सत्र के लिए सदन से निष्कासित कर दिया। राम मंदिर चढ़ावा चोरी का मामला यहीं तक सीमित नहीं है। भारतीय जनता पार्टी 80 और 20 के चुनावी समीकरण को लेकर पिछले तीन दशक से राजनीति कर रही है। राम मंदिर चढ़ावा चोरी का मामला भाजपा और संघ के लिए भारी पड़ रहा है। राम की आस्थाओं के साथ खिलवाड़ के रूप में देखा जा रहा है। राम की आड़ में लूट की जा रही है। इस तरह का नेरेटिव विपक्ष बना रहा है। हाल ही में जंतर मंतर में कॉकरोच जनता पार्टी के बाद जिस तरह से जेन-जी और जेन-अल्फा मुखर हुए हैं, आंदोलन में हिंदू और मुस्लिम ध्रुवीकरण को लेकर जो राजनीति की जा रही थी वह अब चंदा और चढ़ावा चोरी के कारण धार्मिक ध्रुवीकरण, रामराज और सनातन को लेकर जो राजनीति अभी तक हो रही थी, उसको सबसे बड़ा झटका लगा है। भाजपा की चिंता है इस मामले को जल्द से जल्द ठंडा किया जाए, लेकिन यह मामला ठंडा होने के स्थान पर दिन-प्रतिदिन और गरमाता चला जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी और संघ इस मामले को जितना दबाने का प्रयास कर रही हैं, उतनी ही तेजी के साथ यह आगे बढ़ रहा है। कुल मिलाकर यह कहा जाए तो अतिश्योक्ति नहीं होगी कि सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में अब यह अस्तित्व की लड़ाई है। जो भी पक्ष इसमें ढीला पड़ेगा, उसका अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। भाजपा और संघ की आपदा विपक्ष के लिए एक अवसर बनकर सामने है और इसका लाभ विपक्षी दल उठाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं। आगे क्या होगा यह भगवान राम ही जाने।

सनत जैन

चिंतन-मनन : मन की शक्ति

मन को जीवन का केंद्रबिंदु कहना असंभव नहीं है। मनुष्य की क्रियाओं, आचरणों का प्रारंभ मन से ही होता है। मन तरह-तरह के संकल्प, कल्पनाएं करता है। जिस ओर उसका रुझान हो जाता है उसी ओर मनुष्य की सारी गतिविधियां चल पड़ती है। जैसी कल्पना हो उसी के अनुरूप प्रयास-पुरुषार्थ एवं उसी के अनुसार फल सामने आने लगते हैं। मन जिधर रस लेने लगे उसमें लौकिक लाभ या हानि का बहुत महत्व नहीं रह जाता। प्रिय लगने वाले के लिए सब कुछ खो देने और बड़े से बड़े कष्ट सहने को भी मनुष्य सहज ही तैयार हो जाता है। मन यदि अच्छी दिशा में मुड़ जाए; आत्मसुधार, आत्मनिर्माण और आत्मविकास में रुचि लेने लगे तो जीवन में एक चमत्कार हो सकता है। सामान्य श्रेणी का मनुष्य भी महापुरुषों की श्रेणी में आसानी से पहुंच सकता है। सारी कठिनाई मन को अनुपयुक्त दिशा से उपयुक्त दिशा में मोड़ने की ही है। इस समस्या के हल होने पर मनुष्य सच्चे अर्थ में मनुष्य बनता हुआ देवत्व के लक्ष्य तक सुविधापूर्वक पहुंच सकता है। शरीर के प्रति कर्तव्य पालन करने की तरह मन के प्रति भी हमें अपने उत्तरदायित्वों को पूर्ण करना चाहिए। कुविचारों और दुर्भावनाओं से मन गंदा, मलिन और पतित होता है, अपनी सभी विशेषता और श्रेष्ठताओं को खो देता है। इस स्थिति से सतर्क रहने और बचने की आवश्यकता का अनुभव करना हमारा पवित्र कर्तव्य है। मन को सही दिशा देते रहने के लिए स्वाध्याय की वैसी ही आवश्यकता है जैसे शरीर को भोजन देने की। आत्मनिर्माण करने वाली जीवन की समस्याओं को सही ढंग से सुलझाने वाली उत्कृष्ट विचारधारा की पुस्तकें पूरे ध्यान, मनन और चिंतन के साथ पढ़ते रहना ही स्वाध्याय है।

भाजपा के सामने क्या राजनीतिक आत्ममंथन का समय है?

बिहार के संदर्भ में यह चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि राज्य में हाल में हुए नेतृत्व परिवर्तन के बाद जनता की प्रतिक्रिया का यह पहला बड़ा अवसर था। किसी भी राजनीतिक परिवर्तन का वास्तविक परीक्षण चुनावी मैदान में ही होता है। सरकारें चाहे कितने भी दावे करें, अंततः मतदाता ही यह तय करता है कि वह बदलाव को स्वीकार कर रहा है या उसके प्रति संदेह रखता है। ऐसे में बांकीपुर का परिणाम केवल एक निर्वाचन क्षेत्र का फैसला नहीं, बल्कि व्यापक राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन गया है।

कुमार कृष्णन

लोकतंत्र में कुछ चुनाव ऐसे होते हैं जिनका महत्व उनके आकार से नहीं, बल्कि उनके संदेश से तय होता है। उपचुनाव सामान्यतः किसी सरकार का जनादेश नहीं माने जाते, क्योंकि वे स्थानीय परिस्थितियों, उम्मीदवारों और तत्कालीन राजनीतिक समीकरणों से भी प्रभावित होते हैं। फिर भी कई बार यही छोटे चुनाव बड़े राजनीतिक संकेत छोड़ जाते हैं। वे सत्ता को यह बताते हैं कि जनता किस बात से संतुष्ट है और किस बात से बेचैन। इतिहास गवाह है कि अनेक बार उपचुनावों ने आने वाले बड़े चुनावों की राजनीतिक दिशा का पूर्वाभास कराया है।

बिहार के बांकीपुर और मध्य प्रदेश के दतिया उपचुनावों के परिणामों ने भारतीय जनता पार्टी के सामने ऐसे ही कुछ प्रश्न खड़े किए हैं। विशेष रूप से बांकीपुर का परिणाम इसलिए अधिक चर्चा में है कि इसे लंबे समय से भाजपा का मजबूत गढ़ माना जाता रहा था। तीन दशकों से अधिक समय तक इस सीट पर पार्टी की लगातार मौजूदगी ने यह धारणा बना दी थी कि यहाँ भाजपा की राजनीतिक पकड़ लगभग अटूट है। ऐसे में अप्रत्याशित हार ने स्वाभाविक रूप से राजनीतिक विश्लेषकों का ध्यान आकर्षित किया है।

उपचुनाव के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख नेता नीतीश कुमार से हुई मुलाकात ने भी राजनीतिक अटकलों को बल दिया। औपचारिक रूप से इसे बिहार और पूर्वी भारत के विकास से जुड़ी सामान्य बैठक बताया गया, लेकिन राजनीति में समय का अपना महत्व होता है। जब कोई महत्वपूर्ण बैठक किसी अप्रत्याशित चुनावी परिणाम के तुरंत बाद होती है, तो उसके राजनीतिक अर्थ तलाशना स्वाभाविक हो जाता है। यह आवश्यक नहीं कि हर मुलाकात संकट का संकेत हो, लेकिन यह भी उतना ही सच है कि चुनावी झटकों के बाद सहयोगी दलों के साथ संवाद बढ़ाना किसी भी गठबंधन सरकार की सामान्य राजनीतिक रणनीति होती है। इसी बीच भाजपा की वरिष्ठ नेता यशोधरा राजे सिंधिया का सोशल मीडिया पर किया गया संक्षिप्त संदेश—आत्मनिरीक्षण का समय—भी व्यापक चर्चा का विषय बना। लोकतांत्रिक दलों में चुनावी समीक्षा कोई असामान्य प्रक्रिया नहीं होती। किसी वरिष्ठ नेता द्वारा आत्ममंथन की आवश्यकता पर बल देना राजनीतिक परिपक्वता का संकेत भी माना जा सकता है। विशेष रूप से तब, जब वह नेता लंबे सार्वजनिक जीवन का अनुभव रखता हो और संगठन के भीतर उसकी अलग पहचान हो। किसी भी बड़े राजनीतिक दल की शक्ति केवल चुनाव जीतने में नहीं, बल्कि हार के कारणों को समझने और उनसे सीखने की क्षमता में भी निहित होती है। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में भारतीय राजनीति का स्वरूप तेजी से बदला है। अब केवल मजबूत संगठन, प्रभावशाली नेतृत्व या चुनावी प्रबंधन पर्याप्त नहीं रह गया है। मतदाता पहले की तुलना में अधिक जागरूक, अधिक अपेक्षाकारी और अधिक निर्णायक दिखाई देता है। वह राष्ट्रीय नेतृत्व का सम्मान करते हुए भी स्थानीय मुद्दों, उम्मीदवारों की स्वीकार्यता, सामाजिक समीकरणों और शासन के प्रत्यक्ष अनुभव के आधार पर अलग-अलग चुनावों में अलग निर्णय लेने लगा है। यही कारण है कि आज उपचुनावों को भी राजनीतिक मनोविज्ञान की दृष्टि से गंभीरता से पढ़ा जाता है।

बिहार के संदर्भ में यह चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि राज्य में हाल में हुए नेतृत्व परिवर्तन के बाद जनता की प्रतिक्रिया का यह पहला बड़ा अवसर था। किसी भी राजनीतिक परिवर्तन का वास्तविक परीक्षण चुनावी मैदान में ही होता है। सरकारें चाहे कितने भी दावे करें, अंततः मतदाता ही यह तय करता है कि वह बदलाव को स्वीकार कर रहा है या उसके प्रति संदेह रखता है। ऐसे में बांकीपुर का परिणाम केवल एक निर्वाचन क्षेत्र का फैसला नहीं, बल्कि व्यापक राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन गया है।

हालाँकि किसी एक उपचुनाव के आधार पर दूरगामी निष्कर्ष निकालना भी उचित नहीं होगा। भारतीय राजनीति में ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जहाँ उपचुनावों के परिणाम बाद के आम चुनावों से बिल्कुल अलग रहे हैं। इसलिए इन नतीजों को अंतिम जनादेश के बजाय एक राजनीतिक संकेत के रूप में देखना अधिक संतुलित दृष्टिकोण होगा।

दुनिया में परचम लहराने वाली बेटियां देश का गौरव हैं

मनोज कुमार अग्रवाल

यह देश और नारी शक्ति के लिए गौरव की बात है कि ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने कुल 13 स्वर्ण पदक जीते, जिनमें से 8 स्वर्ण पदक देश की बेटियों ने अपने नाम किए। मीराबाई चानू, अस्मिता डे, शर्मिला धनखड़ और महिला मुक्केबाजों के शानदार प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया कि अंतरराष्ट्रीय खेल मंचों पर अब भारतीय नारी शक्ति का दबदबा है।स्वर्ण पदक जीतने वाली प्रमुख महिला खिलाड़ीमीराबाई चानू: वेटलिफ्टिंग की 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण जीतकर राष्ट्रमंडल खेलों में लगातार तीन बार गोल्ड हासिल करने वाली पहली भारतीय वेटलिफ्टर बनीं।अस्मिता डे: जूडो के 48 किग्रा वर्ग में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक देश की झोली में डाला।शर्मिला धनखड़: पैरा एथलेटिक्स (शॉट पुट ऋ57) में स्वर्ण पदक जीतकर नया इतिहास रचा।मुक्केबाज प्रीति पवार, जैस्मीन लांबोरिया, साक्षी चौधरी, प्रिया घंघास और अरुंधती चौधरी: रिंग में बेहतरीन दांव-पेच दिखाते हुए मुक्केबाजी के विभिन्न भार वर्गों में पांच स्वर्ण पदक अपने नाम किए।अन्य उल्लेखनीय प्रदर्शन लवलीना बोरगोहेन: 75 किग्रा मुक्केबाजी वर्ग में रजत पदक जीता।हरजिंदर कौर और ज्ञानेश्वरी यादव: वेटलिफ्टिंग में रजत पदक हासिल किए।यामिनी मौर्या: जूडो स्पर्धा में रजत पदक प्राप्त किया।

राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन हर भारतीय को गर्वित करने वाला तो है ही, यह भविष्य के लिए बहुत सारी उम्मीदें भी देता है।

आपको बता दें कि पदक तालिका में चौथे स्थान

पर भारत उस स्थिति में खड़ा है, जब भारतीय खिलाड़ियों के दबदबे वाले कई खेल इस बार के आयोजन में शामिल ही नहीं किए गए थे। बावजूद इसके भारतीय खिलाड़ियों ने ग्लासगो में तिरंगे को बार-बार शिखर पर पहुंचाया और 140 करोड़ से अधिक देशवासियों को गौरवान्वित किया। भारत ने इन खेलों में कुल 39 पदक (13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य पदक) जीते।

हमारे खिलाड़ियों ने मुक्केबाजी, भारोत्तोलन और जूडो में शानदार प्रदर्शन किया है, बल्कि पहली बार बॉक्सिंग में सात स्वर्ण पदक जीते हैं। सबसे अहम बात यह है कि बेटियों ने स्वर्ण पदकों की झड़ी लगा दी। मीरा बाई चानू से जो शुरूआत हुई, तो फिर इस कतार में शर्मिला, अस्मिता, प्रीति पवार, साक्षी चौधरी, प्रिया धंधास, अरुंधति चौधरी, जैस्मिन जैसे नाम जुड़ते चले गए। अब ये सिर्फ नाम नहीं हैं, देश की हजारों-लाखों बेटियों की प्रेरणा-स्त्रोत हैं। इनमें से एकाधिक लड़कियां तो बेहद साधारण पृष्ठभूमि से आई हैं। उनका सबसे ऊंचे पोडियम पर खड़ा होना खास गौरवशाली है। वे न सिर्फ अपने जैसी अनगिनत प्रतिभाओं को प्रेरित करेंगी, बल्कि हमारे खेल से जुड़े कर्ता-धर्ताओं को और उत्साहित करेंगी कि वे ग्रामीण क्षेत्रों पर भी ध्यान दें।

अब जरा गौर कीजिए एक ओर जंतर-मंतर के प्रदर्शन में शामिल भद्दी अश्लील गाली देने वाली रीलबाज लड़कियाँ देश और दुनिया में जगहंसाइ व निंदा का पात्र बन गयीं हैं और दूसरी ओर ये बेटियां हैं जिन्होंने वर्षों की कठोर प्रशिक्षण और अभ्यास के बूते पर दुनिया में देश का नाम रोशन किया है ये स्वयं व इनके परिवार दशकों तक देश भर में सम्मान और गौरव का अनुभव करेंगे। सिर्फ एक सही राह और परवरिश कितना बड़ा अन्तर पैदा कर सकती है इसे शिद्दत से समूचा देश और खासकर अभिभावकों को महसूस करना चाहिए।

इसमें कोई दोराय नहीं कि बीते कुछ वर्षों में देश में खेल-संस्कृति का तेजी से विकास हुआ है। खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की

दिलचस्पी और खेलो इंडिया जैसे कार्यक्रमों का इसमें अहम योगदान है। इस क्षेत्र में सार्वजनिक निवेश भी बढ़ा है और बड़े पैमाने पर युवा अब इसे करियर के तौर पर अपनाने लगे हैं। हालांकि, इस संस्कृति के निर्माण में क्रिकेट का सबसे बड़ा योगदान है। आईपीएल की शुरूआत ने देश के छोटे-छोटे शहरों को कई सितारे दिए, और उन पर पैसों की बरसात ने समाज की पूरी मनोदशा बदल दी। परिवार अवरोधक के बजाय सहायक की भूमिका में आने लगे। सबसे बड़ा बदलाव तो लड़कियों के मामले में आया हैं। पहले बेटियों के लिए खेल-क्षेत्र में बहुत बाधाएं थीं, मगर अब वे भी सपने देख रही हैं और उनको साकार कर रही हैं।

एनसीएस पोर्टल पर 6 .64 करोड़ से अधिक नौकरी चाहने वालों ने कराया पंजीकरण

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 05 अगस्त

नौकरी की तलाश कर रहे लोगों के लिए सरकारी पोर्टल एनसीएस (नेशनल करियर सर्विस) बड़ा सहारा बना है।

श्रम मंत्रालय के मुताबिक अब तक 6.64 करोड़ से ज्यादा नौकरी चाहने वाले इस पोर्टल पर रजिस्टर कर चुके हैं। इनमें से 2.89 करोड़ लोग अभी भी एक्टिव हैं।

बुधवार को लोकसभा में केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने जानकारी दी कि एनसीएस अब सिर्फ जॉब सर्च का प्लेटफॉर्म नहीं रहा। यह एक डिजिटल हब बन गया है जहां नौकरी, करियर सलाह, स्किल ट्रेनिंग और सरकारी-निजी दोनों तरह की नौकरियों की जानकारी एक ही जगह मिलती है।

सरकार के आंकड़ों के अनुसार पोर्टल शुरू होने के बाद से अब तक 10.05 करोड़ से ज्यादा नौकरियों की जानकारी यहां जोड़ी गई है। 15 जुलाई तक 17.68 लाख वैकेंसी अभी भी एक्टिव हैं।

मंत्रालय ने बताया कि एनसीएस को अब क्लाउड बेस्ड और ओपन सिस्टम में बदला गया है। इसमें लगातार नए फीचर जोड़े जा रहे हैं।

अब एआई की मदद से आपकी प्रोफाइल के हिसाब से नौकरी मिलती है। स्किल में क्या कमी है यह भी पता चलता है। पर्सनल जॉब सुझाव, एआई इंटरव्यू कोच और कई भाषाओं में सुविधा के लिए भाषिणी का सपोर्ट भी दिया गया है। नियोक्ताओं और नौकरी चाहने वालों के लिए क्लाउड ऐप और वेरिफिकेशन सिस्टम भी बेहतर किया गया है।

रोजगार के मौके बढ़ाने के लिए मंत्रालय ने 40 से ज्यादा कंपनियों और प्लेटफॉर्म से हाथ मिलाया है। इसमें एपीएनए, स्विगी, रैपिडो, जोमैटो, अमेजन, टीसीएस आईओएन, क्विकर और फाउंडइट जैसे नाम शामिल हैं। इससे युवाओं को प्राइवेट सेक्टर में भी सीधे मौके मिल रहे हैं।

एनसीएस को उद्यम, ई-श्रम, स्किल इंडिया डिजिटल हब, ईपीएफओ, ईएसआईसी, डिजीलॉकर जैसे सरकारी पोर्टल से भी जोड़ा गया है। यूपीएससी, एसएससी, रेलवे भर्ती बोर्ड और एएसआरबी जैसी भर्ती एजेंसियों की जानकारी भी यहां मिल जाती है।

जमीनी स्तर पर रोजगार सेवाएं मजबूत करने के लिए सरकार ने 407 मॉडल करियर सेंटर मंजूर किए हैं। इनमें 370 रोजगार कार्यालय शामिल हैं जिन्हें अपग्रेड करियर काउंसलिंग, जॉब फेयर और कंपनी से जुड़ाव की सुविधा दी जा रही है।

अभी 31 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश एनसीएस से जुड़ चुके हैं। इनमें 8 राज्य सीधे इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं।

पुरानी कारों को ऑटो एलपीजी में बदलने के लिए राष्ट्रीय रेट्रोफिट नीति जरूरी : इंडस्ट्री

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 05 अगस्त

भारत का तेजी से बढ़ता सेकेंड-हैंड कार बाजार शहरी प्रदूषण कम करने का एक तेज और व्यावहारिक अवसर प्रदान करता है। इसी को देखते हुए सरकार को इस्तेमाल में मौजूद पेट्रोल और डीजल वाहनों को ऑटो एलपीजी में बदलने के लिए समयबद्ध राष्ट्रीय रेट्रोफिट नीति लागू करनी चाहिए। यह मांग बुधवार को इंडस्ट्री की ओर से की गई। भारत में ऑटो एलपीजी को बढ़ावा देने वाली प्रमुख संस्था आईएसी ने कहा कि देश में हर साल सेकेंड-हैंड कारों की बिक्री करीब 60 लाख के स्तर पर पहुंच रही है, ऐसे में एक समर्पित रेट्रोफिट नीति की तत्काल जरूरत है।

उद्योग संगठन के अनुसार, ऐसी नीति देश के तेजी से बढ़ते प्री-ओन्ड वाहन बाजार को वाहन प्रदूषण कम करने और वायु गुणवत्ता सुधारने का प्रभावी माध्यम बना सकती है। खासकर दिल्ली एनसीआर और अन्य प्रदूषण प्रभावित शहरों में इसका बड़ा लाभ मिलेगा। रिपोर्ट में उद्योग के अनुमानों का हवाला देते हुए कहा गया है कि सेकेंड-हैंड वाहनों का कारोबार नई कारों की बिक्री की तुलना में कहीं अधिक तेजी से बढ़ रहा है। वर्ष 2023 में लगभग 46 लाख सेकेंड-हैंड वाहनों के लेन-देन का आंकड़ा 2030 तक 1 करोड़ से अधिक पहुंच सकता है। इस दौरान इसकी वार्षिक औसत वृद्धि दर (सीएजीआर) 12-13 प्रतिशत रहने का अनुमान है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत में हर नई कार की बिक्री पर एक से अधिक पुरानी गाड़ी का स्वामित्व बदलता है।

यदि भारतीय सड़कों पर चल रहे करोड़ों पेट्रोल और डीजल वाहनों में से केवल एक हिस्से को भी ऑटो एलपीजी में बदला जाए, तो वायु प्रदूषण में बड़ी कमी लाई जा सकती है।

संक्षिप्त खबरें

महिंद्रा की सालाना आधार पर बिक्री में 26 प्रतिशत की बढ़ोतरी

नई दिल्ली, यूटर्न/ 05 अगस्त । भारतीय बाजार में महिंद्रा ने जुलाई, 2026 में एसयूवी गाड़ियों की भारी मांग देखने को मिली। कंपनी ने घरेलू मार्केट में अकेले 60,048 एसयूवी बेच डाली गईं, जो पिछले साल जुलाई के मुकाबले 20 प्रतिशत की सालाना बढ़त है। निर्यात और कमर्शियल व्हीकल्स को भी मिला दें, तो महिंद्रा की कुल बिक्री 1,03,860 यूनिट तक पहुंच गई, जो सालाना आधार पर 26 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में महिंद्रा की एसयूवी का दबदबा बरकरार रहा। इसके साथ ही, कमर्शियल व्हीकल्स और थ्री-व्हीलर सेगमेंट में भी महिंद्रा का प्रदर्शन शानदार रहा। छोटे वाणिज्यिक वाहनों (एलसीवी) की बिक्री में 20 से 40 प्रतिशत तक का इजाफा हुआ, जबकि इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर सहित थ्री-व्हीलर सेगमेंट 53 प्रतिशत बढ़कर 14,538 यूनिट तक पहुंच गया। गाड़ियों के निर्यात में भी 47 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिसमें जुलाई महीने में कुल 4,070 गाड़ियां दूसरे देशों में भेजी गईं। ग्रामीण इलाकों में मांग बढ़ने से महिंद्रा के ट्रैक्टर बिजनेस ने भी रफ्तार पकड़ ली है, जुलाई में 32,643 घरेलू ट्रैक्टर बेचे गए।

अगस्त में महिंद्रा, स्कोडा और एमजी लॉन्च करेंगी कई मॉडल

नई दिल्ली, यूटर्न/ 05 अगस्त: कई प्रमुख वाहन निमार्ता कंपनियां चालू महीने अपने नए मॉडल लॉन्च करेंगी, जबकि कुछ लोकप्रिय कारों के फेसलिफ्ट और अपडेटेड संस्करण भी बाजार में उतारे जाएंगे। इस लिहाज से देखा जाए तो भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार के लिए अगस्त महीना काफी व्यस्त रहने वाला है। महिंद्रा, स्कोडा और जेएसडब्ल्यू एमजी जैसी कंपनियां नई तकनीक और आधुनिक फीचर्स से लैस वाहनों के साथ ग्राहकों को आकर्षित करने की तैयारी में हैं। महिंद्रा 15 अगस्त को कई बड़े उत्पाद पेश कर सकती है। इनमें सबसे चर्चित स्कॉर्पियो एन फेसलिफ्ट है, जिसमें नए ड्यूल-टोन अलॉय व्हील, बड़ा टैबलेट-स्टाइल इंफोटेनमेंट सिस्टम, 10.25 इंच का डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले और बदला हुआ सेंटर कंसोल मिलने की संभावना है। इसी दिन कंपनी अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी बीई 6 का अपडेटेड संस्करण भी पेश कर सकती है। इसमें ट्रिपल-स्क्रीन सेटअप, नया इंटीरियर और ब्लैक-एंड-टैन अपहोल्स्ट्री जैसे बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

डीआरआई ने 364 मीट्रिक टन प्रतिबंधित पाकिस्तानी सूखा खजूर जब्त किया, यूएई से किए जा रहे थे आयात

» मुंबई, यूटर्न/ 05 अगस्त ।

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने कांडला बंदरगाह पर आयातित सूखे खजूर के 13 कंटेनरों को जब्त किया है। इस खेप को यूएई से आयात होने की गलत जानकारी दी गई थी जबकि खेप पाकिस्तान से आई थी। यह जानकारी वित्त मंत्रालय द्वारा बुधवार को दी गई।

मंत्रालय की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया कि खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अभियान में, डीआरआई के अधिकारियों ने कांडला बंदरगाह पर आयातित 364 मीट्रिक टन सूखे खजूर से भरे 13 कंटेनरों को जब्त किया, जिनकी कीमत लगभग 3 करोड़ रुपए आंकी गई है। जांच में पता चला कि खजूर संयुक्त अरब अमीरात से आया हुआ बताया गया था, जबकि असल में पाकिस्तान से आया था।

जांच से पता चला कि खजूर को पहले पाकिस्तान से दुबई ले जाया गया और फिर उसे दूसरे कंटेनरों में स्थानांतरित करके भारत निर्यात किया गया। आयातकों पर आरोप है कि उन्होंने पाकिस्तान से आयातित माल के आयात पर लगे भारत के प्रतिबंध से बचने के लिए महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाया और खजूर के मूल देश के बारे में गलत जानकारी दी। तदनुसार, सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की संबंधित धाराओं के तहत पूरी खेप जब्त कर ली गई है।

इससे पहले पिछले सप्ताह, डीआरआई के अधिकारियों ने तूतीकोरिन बंदरगाह पर लगभग 1.4 करोड़ रुपए मूल्य के लगभग 14 मीट्रिक टन पाकिस्तानी गुग्गुल राल के आयात के प्रयास का पदार्फाश किया था। गुग्गुल राल के इस खेप को सोमालिया से उत्पन्न प्राकृतिक राल के रूप में गलत तरीके से घोषित किया गया था और दुबई के रास्ते भेजा गया था।

भारत और पाकिस्तान के शुष्क क्षेत्रों में पाई जाने वाली गुग्गुल राल (कॉमिफोरा राल) प्रजाति को सीआईटीईएस परिशिष्ट ककमें सूचीबद्ध किया गया है और आईयूसीएन की रेड लिस्ट में इसे 'अत्यंत संकटग्रस्त' श्रेणी में रखा गया है।

सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार उछाल

नई दिल्ली, यूटर्न/ 05 अगस्त । घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में एक बार फिर जोरदार तेजी दर्ज की गई है। निवेशकों के बढ़ते भरोसे और कुछ महत्वपूर्ण वैश्विक आर्थिक संकेतों ने इन कीमती धातुओं को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। विशेष रूप से, चांदी लगातार तीसरे कारोबारी दिन बढ़त बनाए रखने में सफल रही है, जो बाजार में उसकी मजबूत मांग को दर्शाता है। राजधानी नई दिल्ली के सराफा बाजार में बुधवार को सोने की कीमतें 1,42,900 प्रति 10 ग्राम के महत्वपूर्ण स्तर पर बनी हुई हैं, जो बाजार में मजबूत धारणा को दर्शाती हैं। हालांकि, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना इस स्तर पर स्थिर कारोबार कर रहा है, लेकिन यह पिछले सत्रों की तेजी और कुल मिलाकर सकारात्मक रुझान को दर्शाता है।

वैश्विक स्तर पर तनाव कम होने से भारतीय शेयर बाजार तेजी के साथ खुला, आरबीआई एमपीसी के फैसले का इंतजार

» मुंबई, यूटर्न/ 05 अगस्त ।

वैश्विक स्तर पर तनाव कम होने से भारतीय शेयर बाजार बुधवार के कारोबारी सत्र में तेजी के साथ खुला। इस दौरान सेंसेक्स 626.43 अंक या 0.80 प्रतिशत की मजबूती के साथ 79,055.38 और निफ्टी 54.30 अंक या 0.22 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,669.20 पर था।

शुरूआती कारोबार में बाजार की तेजी को सहारा रियल्टी और इन्फ्रा शेयरों से मिल रहा था। सूचकांकों निफ्टी रियल्टी और निफ्टी इन्फ्रा टॉप गेनर्स थे। निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी मेटल, निफ्टी ऑटो, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी कमोडिटीज और निफ्टी पीएसई जैसे सूचकांकों में भी तेजी के साथ कारोबार हो रहा था।

निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी फार्मा, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स लाल निशान में थे।

सेंसेक्स पैक में इंडिगो, एमएंडएम, बजाज फिनसर्व, एलएंडटी, ट्रेंट, भारती एयरटेल, ट्रेंट, टेक महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, कोटक महिंद्रा बैंक, इटरनल, बजाज फाइनेंस, मारुति सुजुकी, एसबीआई, अदाणी पोर्ट्स, एशियन पेंट्स और एनटीपीसी गेनर्स थे। सन फार्मा, टाइटन, टीसीएस और बीईएल लूजर्स थे।

जानकारों के मुताबिक, अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट का बयान बाजार में तेजी की एक अहम वजह है, जिसमें उन्होंने कहा था कि होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए ईरान के साथ जल्द ही कोई समझौता हो सकता है। इससे कच्चे तेल की कीमतों में भी भारी कमी आई है और यह भारत की अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा है, क्योंकि देश अपनी जरूरत का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है।

भारत में मजबूत निजी खपत से अर्थव्यवस्था को मिल रही रफ्तार : आरबीआई गवर्नर

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 05 अगस्त ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के फैसलों का ऐलान करते हुए कहा कि देश में निजी खपत मजबूत बनी हुई है। पूंजीगत निवेश, निर्माण और बैंक क्रेडिट जैसे सूचकांक इस ओर इशारा कर रहे हैं कि देश में निवेश बढ़ रहा है। इन सभी कारकों से वैश्विक अस्थिरता के बीच भी देश की अर्थव्यवस्था को रफ्तार मिल रही है। आरबीआई गवर्नर ने आगे कहा कि बाहरी मांग भी बनी हुई है, क्योंकि सर्विस निर्यात में अच्छी बढ़ोतरी के साथ-साथ वस्तु निर्यात में भी सुधार हुआ।

उन्होंने कहा कि आगे चलकर, दुनिया भर में आर्थिक हालात में उतार-चढ़ाव का असर देश की आर्थिक गतिविधियों पर पड़ सकता है।

मल्होत्रा ने कहा, 'ऊर्जा की कीमतें और आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव अभी भी अधिक और अनिश्चित बने हुए हैं। सप्लाई से जुड़े कई उपायों से इनके बुरे असर को रोकने की कोशिश की जा रही है। हालांकि, हालात अभी भी बदल रहे हैं, लेकिन अल-नीनो की वजह से दक्षिण-पश्चिम मानसून की कमी और असमान बारिश से कृषि सेक्टर और ग्रामीण इलाकों में मांग को लेकर कुछ जोखिम पैदा हो गए हैं।'

उन्होंने बताया कि इसके बावजूद, फसल विविधीकरण और जल संचयन व संरक्षण जैसी सरकारी पहलों से इस असर को कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

इसके अलावा, सर्विस सेक्टर में लगातार तेजी, जीएसटी में सुधार का जारी असर और रोजगार की स्थिर स्थिति से शहरी मांग को समर्थन मिलता रहेगा। मल्होत्रा ने कहा, 'क्षमता का भरपूर इस्तेमाल, क्रेडिट का अच्छा प्रवाह और इंफ्रास्ट्रक्चर पर सरकार का लगातार जोर निवेश गतिविधियों को बनाए रखेगा। साथ ही, सर्विस निर्यात के बने रहने की उम्मीद है, वहीं हालिया ट्रेड एग्रीमेंट और विविधीकरण पर जोर से वस्तु निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।' मजबूत घरेलू मांग, मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस गतिविधियों में लगातार विस्तार और अच्छे निर्यात से विकास को समर्थन मिल रहा है, जिससे दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के तौर पर भारत की स्थिति और मजबूत हुई है।

विदेशी संपत्ति और आय छिपाने वाले आयकर विभाग के रडार पर, 150 से ज्यादा करदाताओं की जांच

» **गाजियाबाद, यूटर्न/ 05 अगस्त ।**

विदेशी संपत्तियों, वास्तविक आय और वित्तीय लेनदेन की जानकारी छिपाकर आयकर रिटर्न दाखिल करने वाले करदाताओं पर आयकर विभाग ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। फाइनेंशियल एसेट्स इंटेलिजेंस यूनिट (एफएआईयू) की रिपोर्ट में गाजियाबाद में 150 से अधिक ऐसे करदाताओं की पहचान हुई है, जिन्होंने आयकर रिटर्न दाखिल करते समय विदेशी परिसंपत्तियों, बैंक खातों, निवेश और वास्तविक आय का पूरा ब्योरा नहीं दिया।

इनमें रियल एस्टेट कारोबार से जुड़े कई बिल्डर और बड़े कारोबारी भी शामिल बताए जा रहे हैं। आयकर विभाग के अधिकारियों के मुताबिक आयकर विभाग अब इन मामलों का डेटा एनालिसिस, बैंकिंग रिकॉर्ड, विदेशी वित्तीय सूचनाओं और अन्य एजेंसियों से प्राप्त जानकारी के आधार पर मिलान कर रहा है। जिन मामलों में जानबूझकर जानकारी छिपाने के साक्ष्य मिलेंगे, वहां सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विदेशी संपत्ति छिपाना पड़ सकता है भारी

चार्टर्ड अकाउंटेंट व आयकर मामलों के जानकार डीके गोयल का कहना है कि आयकर कानून के तहत विदेशी बैंक खाते, शेयर, अचल संपत्ति, कंपनी में हिस्सेदारी और अन्य विदेशी वित्तीय संपत्तियों की जानकारी आयकर रिटर्न में देना अनिवार्य है। गलत जानकारी देने या जानकारी छिपाने को गंभीर उल्लंघन माना जाता है।

सीए अर्पित गोयल का कहना है कि सबसे पहले आयकर विभाग की ओर से मैसेज और मेल करके सही जानकारी के साथ आईटीआर रिवाइज करने के लिए कहा जाता है। इसके बाद भी कमी को दुरुस्त नहीं करने पर नोटिस दिया जाता है। अघोषित संपत्ति का मामला पकड़े जाने पर ब्लैक मनी एक्ट के तहत उस संपत्ति पर 30 फीसदी कर के साथ 90 फीसदी तक जुर्माना लगाए जाने का प्रावधान है।

दिल्ली पुलिस ने इंदौर से 6 आरोपी किए गिरफ्तार, साइबर ठगी के बड़े नेटवर्क का खुलासा

नई दिल्ली, यूटर्न/ 05 अगस्त । दिल्ली के द्वारका जिले की पुलिस की साइबर सेल ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अवैध कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह कॉल सेंटर लोगों को ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार बना रहा था। पुलिस ने मौके से बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, द्वारका पुलिस को काफी समय से इस अवैध कॉल सेंटर के संचालन की जानकारी मिल रही थी। यह गिरोह लोगों को निशाना बनाकर उन्हें ठगने का काम कर रहा था। मुखबिरों से मिली सूचना के आधार पर, पुलिस की एक टीम ने मध्य प्रदेश के इंदौर में छापा मारा। इस दौरान, पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को पकड़ा। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह गिरोह बड़े पैमाने पर साइबर धोखाधड़ी को अंजाम दे रहा था। छापेमारी के दौरान, पुलिस ने मौके से 28 कंप्यूटर, विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए हैं। इन दस्तावेजों से गिरोह के तौर-तरीकों और उसके नेटवर्क के बारे में महत्वपूर्ण सुराग मिलने की उम्मीद है।

महिला गैंग ने बुजुर्ग से की टप्पेबाजी, जेवरात उतरवाए

साहिबाबाद, यूटर्न/ 05 अगस्त । थानाक्षेत्र के राजेंद्र नगर निवासी पंकज कुमार की बुजुर्ग मां गुड्डी देवी को बातों में उलझाकर एक महिला और उसके साथियों ने उनके जेवरात उतरवा लिए। इसके बाद नोटों की गड्डी दिखाकर टप्पेबाजी की वारदात को अंजाम दिया। घटना 29 जुलाई को हुई और पुलिस ने चार अगस्त को प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है। दर्ज मामले में पंकज कुमार ने बताया कि 29 जुलाई की शाम करीब 6 बजे उनकी मां गुड्डी देवी बाजार गई थीं। रास्ते में एक महिला और उसके साथियों ने उन्हें रोका और बातों में उलझाने लगे।

संयुक्त जिला अस्पताल में आग से बचाव के इंतजाम पूरे, फायर सिस्टम को मिली एनओसी

गाजियाबाद, यूटर्न/ 05 अगस्त । संयुक्त जिला अस्पताल में आग से बचाव के इंतजाम पूरे हो गए हैं। अस्पताल में पिछले दो वर्षों से चल रहा सेंट्रलाइज्ड फायर फाइटिंग सिस्टम का काम पूरा होने के बाद अग्निशमन विभाग से संचालन की एनओसी मिल गई है। सीएमएस डॉ. संजय गुप्ता ने बताया कि दो महीने से एनओसी का इंतजार किया जा रहा था। एनओसी मिलने के बाद एक-दो दिन में कर्मचारियों का प्रशिक्षण शुरू कर दिया जाएगा। इसके लिए आठ-आठ कर्मचारियों के बैच तैयार किए गए हैं, जिन्हें फायर फाइटिंग सिस्टम के संचालन और आपात स्थिति में बचाव कार्य की जानकारी दी जाएगी। प्रदेश और जिले के कई सरकारी व निजी अस्पतालों में आग की घटनाओं के बाद स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा के इंतजामों को मजबूत करने पर जोर दिया है। 100 बेड वाले संयुक्त जिला अस्पताल में अब तक सेंट्रलाइज्ड फायर फाइटिंग सिस्टम की सुविधा नहीं थी। फिलहाल, आग बुझाने के लिए सिलिंडर की व्यवस्था है।

रेस्तरां में युवती पर चाकू से हमले के प्रयास का आरोप, थप्पड़ मारने का वीडियो वायरल

» **इंदिरापुरम, यूटर्न/ 05 अगस्त।**

इंदिरापुरम क्षेत्र के एक शॉपिंग मॉल स्थित रेस्तरां में कार्यरत युवती के साथ उसके परिचित युवक की ओर से मारपीट और चाकू से धमकाने का मामला सामने आया है। आरोपी रेस्तरां की रसोई से चाकू उठाकर युवती को बाहर ले आया और उसके साथ मारपीट की। सहकर्मियों ने बीच-बचाव कर युवती को बचाया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि, अमर उजाला वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सोशल मीडिया पर मंगलवार को वायरल हुए करीब तीन सेकंड के वीडियो में युवक-युवती के बीच कहासुनी व खींचतान होती दिखाई दे रही है। युवक के हाथ में चाकू नजर आ रहा है। वह युवती को चाकू दिखाते हुए थप्पड़ मार रहा है। इसके बाद रेस्तरां का एक कर्मचारी मौके पर पहुंचकर युवक को अलग करता है और युवती को सुरक्षित स्थान पर ले जाता है। एसीपी इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य ने बताया कि शुरूआती जांच में मामला प्रेम संबंध से जुड़ा प्रतीत हो रहा है।

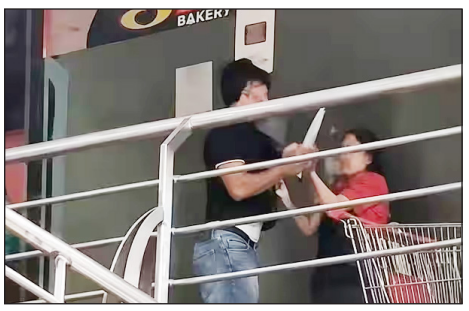

आरोपी दिल्ली का रहने वाला बताया गया है। वह मंगलवार को युवती के कार्यस्थल पर पहुंचा और रेस्तरां की रसोई से चाकू उठाकर उसके साथ मारपीट की। इसी दौरान मॉल में मौजूद किसी व्यक्ति ने घटना का वीडियो बना लिया।

एसीपी ने बताया कि पुलिस वायरल वीडियो के आधार पर मामले की जांच कर रही है। फिलहाल युवती की ओर से कोई तहरीर नहीं मिली है। शिकायत मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

ई-बस को सेंट्रल एजेंसी की टीम का इंतजार, टीम आने के बाद होगा फाइनल ट्रायल

गुरुग्राम, यूटर्न/ 05 अगस्त । इलेक्ट्रिक बस (ई-बस) के फाइनल ट्रायल के लिए सेंट्रल एजेंसी की टीम के आने का इंतजार है। ई-बस के ट्रायल को सेंट्रल एजेंसी के अधिकारी देखेंगे कि ई-बस के संचालन में गुरुग्राम की सड़कों में कमियों को आकलन किया जाएगा। अब तक जीएमसीबीएल के सेक्टर-10 स्थित डिपो में एक ई-बस पहुंची है। इस बस की ट्रायल प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही 24 नई इलेक्ट्रिक बस मिल सकेंगी। ई-बसों के लिए जीएमसीबीएल के अधिकारी लगातार ई-बसें उपलब्ध कराने वाली एजेंसी के संपर्क में हैं। ई-बस के संचालन को लेकर गुरुग्राम की सड़कों पर ट्रायल किया जाएगा। ट्रायल के दौरान ई-बस में सीटिंग के अनुसार वजन भी रखकर चलाया जाएगा। इस दौरान ई-बस उपलब्ध कराने वाली कंपनी के अधिकारी देखेंगे कि बसों को शहर की सड़कों पर चलने के दौरान क्या समस्याएं आती हैं। वर्तमान में गुरुग्राम में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन, चार्जिंग व्यवस्था, रखरखाव, सड़कों की स्थिति और रूटों पर सवारियों की संख्या को लेकर कार्य पूरे किए जा रहे हैं। गुरुग्राम के सेक्टर-10 स्थित डिपो में चार्जिंग स्टेशन बनाया जा रहा है, जिसमें 18 चार्जिंग पॉइंट लगाए जाएंगे। जीएमसीबीएल को पहले फेज में 25 ई-बसें मिलेंगी।

सड़क पार करने के लिए 12 किलोमीटर तय करनी पड़ रही दूरी

गाजियाबाद, यूटर्न/ 05 अगस्त । मुरादनगर में हुए कांवड़ियों के बवाल के बाद दिल्ली रोड सोमवार से कांवड़ियों के नाम कर दिया गया, लेकिन स्थानीय लोग समय से पूर्व लागू हुई इस व्यवस्था से परेशान हैं। सड़क पार करने के लिए लोगों को 12 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मोदीनगर मुरादनगर से लेकर गाजियाबाद तक 100 से अधिक कॉलोनियां हैं, इन कॉलोनियों में लाखों की आबादी निवारसत है। अब पुलिस ने अधिकांश कटों को बंद कर दिया। इसके बाद दिल्ली रोड की तरफ रहने वाले लोगों को सबसे ज्यादा दिक्कत हो रही है। बीते दो दिन से लोग सोशल मीडिया पर अपनी भड़ास निकाल रहे हैं। मुरादनगर की राधेयाम विहार कॉलोनी निवासी विपिन ने बताया कि उनको सड़क पार जाने के लिए दुहाई से घूमकर आना पड़ रहा है।

जीएम व टीएम का पद खाली, बल्लभगढ़ बस डिपो के 600 कर्मचारियों का वेतन अटका

» **फरीदाबाद, यूटर्न/ 05 अगस्त**

बल्लभगढ़ बस डिपो में महाप्रबंधक (जीएम) और ट्रैफिक मैनेजर (टीएम) के पद लंबे समय से खाली होने का खामियाजा अब कर्मचारियों और डिपो संचालन पर साफ दिखाई देने लगा है। अधिकारियों के अभाव में प्रशासनिक और वित्तीय कार्य ठप पड़ गए हैं। करीब 600 कर्मचारियों का जुलाई का वेतन अभी तक जारी नहीं हो सका है, जबकि सामान्यतः हर महीने 30 तारीख तक कर्मचारियों के खातों में वेतन पहुंच जाता है। वेतन नहीं मिलने से कर्मचारियों में भारी नाराजगी है।

मंगलवार को हरियाणा राज्य साझा मोर्चा यूनियन ने ई-मेल के जरिये जिला उपायुक्त फरीदाबाद को ज्ञापन भेजकर जल्द महाप्रबंधक की नियुक्ति करने की मांग की है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो डिपो के सभी कर्मचारी हड़ताल करने को मजबूर होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार और प्रशासन की होगी। यूनियन की ओर से सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया कि महाप्रबंधक के अभाव में डिपो के कई महत्वपूर्ण कार्य लंबित

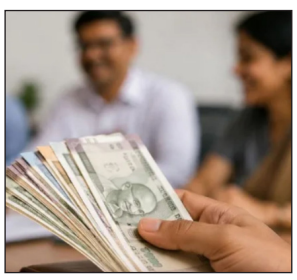

पड़े हैं। सबसे बड़ी समस्या बसों के लिए डीजल की नियमित आपूर्ति की है। समय पर डीजल उपलब्ध नहीं होने से बसों का संचालन प्रभावित हो रहा है, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और रोडवेज की आय पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि दिल्ली क्षेत्र में संचालित बसों के लिए हर महीने बनने वाला एमसीडी का मासिक पास समय पर नवीनीकृत नहीं हो पा रहा है। इसके कारण प्रति बस करीब चार हजार रुपये का अतिरिक्त खर्च सरकार को वहन करना पड़ रहा है, जिससे आर्थिक नुकसान लगातार बढ़ रहा है। इसके अलावा फास्टैग रिचार्ज समय पर नहीं होने की स्थिति में टोल प्लाजा पर दोगुना शुल्क चुकाने का खतरा बना हुआ है।

हरिद्वार जा रहे नोएडा के कांवड़िये को डंपर ने कुचला, मौत के बाद हंगामा

» **इंदिरापुरम, यूटर्न/ 05 अगस्त ।**

थानाक्षेत्र स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) नौ पर तीन अगस्त की देर रात कांवड़ लेने जा रहे एक युवक को डंपर ने कुचल दिया। युवक की मौके पर मौत हो गई और शिनाख्त नोएडा सेक्टर-44 स्थित छलेरा गांव की गली नंबर तीन निवासी दीपांशु (21) के रूप में हुई। हादसा छिजारसी कट के पास हुआ। घटना के दौरान बड़ी संख्या में एकत्र हुए कांवड़ियों ने हंगामा कर दिया। पुलिस पर देरी से पहुंचने का आरोप लगा है। करीब दो घंटे तक शव हाइवे पर ही रखे रहने की बात भी सामने आई है। पुलिस ने बड़ी मुशकिल से कांवड़ियों को समझाकर शांत कराया। मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया। पुलिस ने अज्ञात डंपर चालक व रोडवेज बस चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

युवक के पिता चमन सिंह ने बताया

कि उनका बेटा दीपांशु अपने दोस्त चुनू के साथ बाइक से हरिद्वार कांवड़ लेने के लिए निकला था।

एनएच नौ पर छिजारसी कट के पास पहुंचते ही उसकी बाइक में पीछे से आ रही रोडवेज बस ने किनारे से टक्कर मार दी। इससे बाइक अनियंत्रित हुई और दीपांशु व उसका दोस्त हाइवे पर ही गिर गए। उन्होंने बताया कि बेटा उठ पाता इससे पहले ही पीछे से तेज रफ्तार आ रहा डंपर उसे रौंदता हुआ चला गया। हादसे के बाद न रोडवेज के चालक ने बस रोकी और न ही डंपर रुका। हादसे के समय बड़ी संख्या में कांवड़िये मौके पर एकत्र होकर हंगामा शुरू कर दिया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस पहुंची और घायल को पास के ही अस्पताल भेजा, लेकिन जब तक दीपांशु की मौत हो चुकी थी। वहीं, उसका दोस्त चुनू भी चोटिल हो गया। लोगों का आरोप था कि सूचना देने के बावजूद पुलिस आधा घंटे देरी से पहुंचीं। इससे कांवड़िये और नाराज हो गए और हालांकि पुलिस के समझाने पर किसी तरह माने। पुलिस की सूचना पर युवक के परिजनों को बुलाया गया और शव मोर्चरी भेजा गया। चमन सिंह ने बताया कि बेटा दीपांशु पांच वर्ष से कभी पैदल तो कभी डाक कांवड़ ला रहा था। इस बार भी वह कांवड़ लेने निकला था, लेकिन किसे पता था कि फिर कभी वह वापस नहीं आएगा।

हरिद्वार परिवहन की थी बस, चालक मौके से भागा

पुलिस के अनुसार जिस बस ने कांवड़िये को टक्कर मारी वह हरिद्वार परिवहन निगम की थी। मौके का फायदा उठाकर बस चालक मौके से भाग गया। जिले में इससे पहले भी रोडवेज बस चालकों की लापरवाही के कई मामले सामने आए थे।

छह माह में कई लोग रोडवेज बसों से हुए हादसों में जान गंवा चुके हैं। सोमवार रात को एनएच-9 पर छिजारसी कट से यूपी गेट तक जाम लग गया।

पुराना वीडियो वायरल, कभी कहा था- बढ़िया चिकन बनाती हूं

पाकिस्तानी दूल्हा ढूंढ रही थीं कंगना रनौत!

कंगना रनौत के बयान इस समय सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं. कंगना जब भी कुछ बोलती हैं, तो लोग उनके पुराने वीडियो खोज-खोजकर वायरल कर देते हैं. अब कंगना का एक और पुराना बयान चर्चा में आ गया है.

बॉलीवुड की धाकड़ एक्ट्रेस कंगना रनौत जंतर-मंतर के छात्र आंदोलन के बाद से चर्चा में बनी हुई हैं. कंगना के बयानों पर खूब विवाद हो रहा है. बीते दिन कंगना रनौत ने एक डिफाइन हिंदू और संघी बनने की इच्छा जताई थी. उन्होंने उन एक्ट्रेसेस पर भी निशाना साधा था, जो शादी के लिए अपना धर्म बदलती हैं. इस बीच कंगना का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वो पाकिस्तानी दूल्हा ढूंढने की बात करती हुई दिखाई दे रही हैं. वायरल हो रहे पुराने इंटरव्यू क्लिप में कंगना कहती हैं कि वो ऐसा लड़का चाहती हैं, जो अपने 302 में हो. उन्होंने ये भी कहा था कि भले ही वो लड़का उनके बारे में जानता हो या नहीं, उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि वो एक सिंपल लाइफ जीना चाहती हैं. इंटरव्यू में महिला कंगना से कहती हैं- तो चलिए इस बात पर सहमति बन गई, मैं आपके लिए लड़का ढूंढ रही हूं. इस पर कंगना जवाब देती हैं कि वो उनके लिए लड़का ढूंढने में मदद कर सकती हैं. कंगना से जब पूछा गया कि वो पाकिस्तान से किस तरह का लड़का पसंद करेंगी? इसपर एक्ट्रेस ने कहा था- लड़का अपने 302 में होना चाहिए. अगर वो मेरे बारे में कुछ नहीं भी जानता हो तो भी मुझे कोई दिक्कत नहीं है, क्योंकि मैं अपने पार्टनर के साथ एक बेहद नॉर्मल जिंदगी जीना चाहती हूं. चिकन, मुगलई खाना बनाने पर क्या बोली थीं कंगना? एक्ट्रेस अपने कुकिंग स्किल्स के बारे में भी बात करती हुई दिखाई दीं. उन्होंने बताया था कि वो चिकन करी और अलग-अलग तरह की मुगलई डिशेज बनाती हैं. कंगना कहती दिख रही हैं- मैं बहुत अच्छा चिकन बनाती हूं, जैसे चिकन कोरमा, चिकन मखनी और अलग-अलग तरह की करी. मैं पूरा इंडियन फूड और मुगलई खाना भी बना लेती हूं. वहीं, अपने लेटेस्ट वीडियो में कंगना ने फिल्म इंडस्ट्री की कुछ ऐसी हिंदू बेटियों की आलोचना की थी, जो दूसरे धर्म में शादी करती हैं और शादी से पहले जिनकी धर्म और राजनीति को लेकर कोई विचारधारा नहीं होती. कंगना ने ये भी कहा था कि वो एक कट्टर हिंदू और संघी बनना चाहती हैं. उन्होंने BJP-RSS की विचारधारा अपनाने की ख्वाहिश जाहिर की.

जन्नत जुबैर की शिवांगी-हर्षद को सलाह

रियलिटी शो लॉक अप 2 में अभिनेत्री शिवांगी जोशी और अभिनेता हर्षद चोपड़ा के बीच पनप रही दोस्ती को लेकर पिछले कुछ हफ्तों से काफी चर्चा चल रही है। घर के अंदर और बाहर सोशल मीडिया पर भी प्रशंसक लगातार यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि दोनों के रिश्ते का असल स्वरूप क्या है। इसी बीच, अभिनेत्री जन्नत जुबैर अतिथि बनकर शो में पहुंचीं और उन्होंने शिवांगी को एक बड़ा रियलिटी चेक देते हुए सलाह दी कि वे बाहरी बातों पर ध्यान देने के बजाय अपने खेल पर अधिक ध्यान केंद्रित करें। जन्नत ने शिवांगी को समझाया कि घर के अंदर जो कुछ भी हो रहा है, वह बिना किसी फिल्टर के सीधे दर्शकों तक पहुँच रहा है। उन्होंने कहा, इसी वजह से, तुम्हारे और हर्षद के रिश्ते को लेकर जो अटकलें लगाई जा रही हैं, वे बेवजह नहीं हैं। अगर बाहर लोग यह सोच रहे हैं कि तुम दोनों साथ हो, तो इसमें हैरानी वाली बात नहीं है, क्योंकि घर के अंदर भी कई लोग यही महसूस कर रहे हैं। जन्नत ने आगे बताया कि हर्षद स्वभाव से काफी भावुक हैं और बीते समय में दोनों कई बार भावुक हुए हैं।

बुमराह की खराब फिटनेस से उनके वर्कलोड मैनेजमेंट पर उठे सवाल

पिछले 970 दिन में सिर्फ तीन एकदिवसीय ही खेल पाये

» **मुम्बई, यूटर्न/ 05 अगस्त ।**

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अपनी फिटनेस को लेकर लगातार संघर्ष करते रहे हैं। इसी कारण वह बार-बार टीम से अंदर-बाहर होते रहे हैं। ऐसे में अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में उनके खेलने को लेकर टीम प्रबंधन की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। इसका कारण ये है कि पिछले बुमराह पिछले 970 दिन में सिर्फ तीन एकदिवसीय ही खेल पाये हैं। ऐसे में उनके वर्कलोड मैनेजमेंट पर भी सवाल उठ रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार बुमराह अपने अनूठी एक्शन और सटीक यॉर्कर के कारण क्रिकेट जगत में एक अलग पहचान बनाने में सफल रहे हैं पर यही उनकी फिटनेस के लिए भी एक चुनौती बन गई है। बीसीसीआई द्वारा उनके वर्कलोड मैनेजमेंट पर विशेष ध्यान दिए जाने के बावजूद, बुमराह की मैदान पर उपलब्धता एक बड़ी चिंता का विषय बनी हुई है। क्रिकेट के मैदान पर उतरने के बाद कोई भी खिलाड़ी अपने को चोटों से ज्यादा समय तक नहीं बचा पाता, और बुमराह इसका जीता-जागता उदाहरण हैं।

ताजा आंकड़ों के अनुसार, पिछले 970 दिनों की अवधि में बुमराह ने भारतीय टीम के लिए केवल 3 एकदिवसीय मैच खेले हैं। यह आंकड़ा तब और भी हैरान करने वाला हो जाता है जब हम देखते हैं कि इसी दौरान भारतीय टीम ने कुल 29 एकदिवसीय मुकाबले खेले हैं, जिसका अर्थ है कि बुमराह ने इनमें से 26 महत्वपूर्ण मैचों को नहीं खेला है। 2023 एकदिवसीय विश्व कप फाइनल के बाद से ही हां बुमराह कुछ ही एकदिवसीय मैचों में ही मैदान पर दिखे हैं। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या बुमराह अपनी इस सीमित उपलब्धता के साथ भारतीय टीम को 2027 का एकदिवसीय विश्व कप जिताने में सक्षम होंगे? साथ ही, वर्कलोड मैनेजमेंट पर इतना जोर दिए जाने के बावजूद उनकी पूरी फिटनेस हासिल न कर पाना भी कई गंभीर सवाल खड़े करता है। बुमराह की अनुपस्थिति सिर्फ एकदिवीसयस फॉर्मेट तक ही सीमित नहीं है, बल्कि चोट और वर्कलोड मैनेजमेंट के कारण वह टेस्ट और टी-20 फॉर्मेट से भी लगातार बाहर रहे हैं। टेस्ट क्रिकेट में, साल 2023 के बाद से भारतीय टीम ने कुल 27 टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें से बुमराह केवल 22 में ही मैदान पर उतर सके हैं..

नेमार दिसंबर के बाद क्लब फुटबॉल से भी ले सकते हैं संन्यास

साओ पाउलो, यूटर्न/ 05 अगस्त । ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार के क्लब भविष्य को लेकर भी संशय छाया हुआ है। नेमार ने विश्वकप के बाद अंतराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले लिया था पर अब कहा जा रहा है कि वह क्लब स्तर के मुकाबले भी इस साल के अंत तक ही खेलेंगे। वहीं नेमार का कहना है कि वह अभी दिसंबर तक क्लब स्तर पर खेलते रहेंगे और उसके बाद हालातों की समीक्षा कर आगे का फैसला करेंगे। उन्होंने दिसंबर के बाद के अपने भविष्य को लेकर कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है। जिससे उनके प्रशंसक संशय में हैं।

सैंटोस एफसी के लिए खेलने वाले नेमार ने कहा कि फिलहाल उनका संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने अपने प्रशंसकों और फुटबॉल जगत को आश्वस्त करते हुए कहा, मैं अभी संन्यास के बारे में नहीं सोच रहा हूं। नेमार ने यह भी स्पष्ट किया कि वह अभी अपने भविष्य को लेकर कोई अंतिम फैसला नहीं कर रहे हैं और दिसंबर तक सैंटोस के साथ अपना मौजूदा अनुबंध पूरा करना चाहते हैं। हालांकि, उन्होंने दिसंबर के बाद क्या होगा, इस पर अपनी अनिश्चितता खुले तौर पर जाहिर की। उन्होंने कहा, अभी कुछ नहीं बता सकता, दिसंबर तक अभी समय है, फिर देखेंगे।

नेमार के इस बयान के बाद उनके भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। उनके इस खुलेपन ने इस बात को बल दिया है कि दिसंबर के बाद उनके पास कई विकल्प खुले हो सकते हैं। 34 वर्षीय नेमार पिछले कुछ वर्षों में लगातार चोटों से जूझते रहे हैं, जिसने उनके खेल और करियर दोनों पर गहरा असर डाला है। हाल ही में वह ग्रेड-2 पिंडली की गंभीर चोट के कारण लंबे समय तक मैदान से बाहर रहे थे, और इसी चोट का असर उनके 2026 विश्व कप अभियान पर भी पड़ा था, जिसके चलते ब्राजील टीम को काफी नुकसान हुआ।

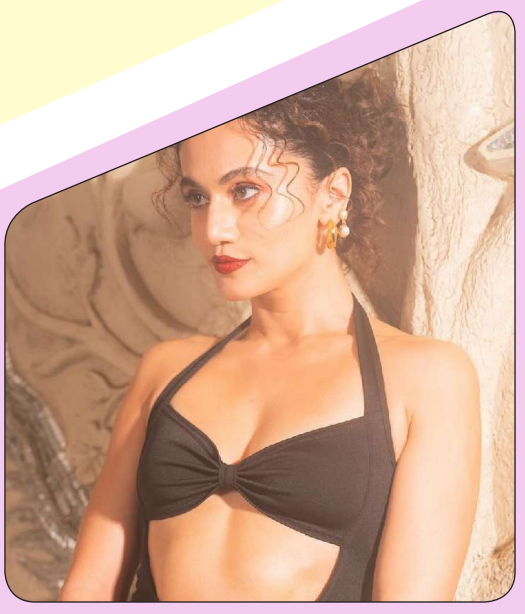

पहली बार तापसी पन्नू को हुआ था दसवीं क्लास के लड़के से प्यार

बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू आज भले ही मनोरंजन जगत में अपना करियर स्थापित कर डेनमार्क के जाने-माने पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी और कोच मैथियास बोए के साथ शादीशुदा जीवन बिता रही हैं, लेकिन उनके किशोरावस्था का प्यार किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। हाल ही में अभिनेत्री तापसी पन्नू ने अपने स्कूल के दिनों के पहले प्यार और उस दौरान हुए हार्ट ब्रेक के बारे में खुलासा किया है। दिल्ली के माता जय कौर पब्लिक स्कूल में अपनी पढ़ाई के समय ही अभिनेत्री को पहली बार प्यार का एहसास हुआ और वह एक लड़के पर दिल हार बैठी थीं। एक पॉडकास्ट के दौरान तापसी ने खुलासा किया था कि स्कूल के समय उनका एक बॉयफ्रेंड था। वह नौवीं क्लास में थीं तो उनका बॉयफ्रेंड दसवीं में। तापसी ने बताया कि उनके बॉयफ्रेंड ने उनसे इसलिए ब्रेकअप ले लिया था क्योंकि उसका कहना था कि वो दसवीं क्लास की बोर्ड परीक्षा पर पूरा ध्यान लगाना चाहता है, जिसके बाद वह खूब रोई भी थीं। तापसी ने बताया कि वह उनका पहला हार्ट ब्रेक था और वे अपने घर के पास वाले पीसीओ पर जाकर दो-दो रुपए के सिक्के डालकर अपने बॉयफ्रेंड को कॉल किया करती थीं और कहती थीं कि प्लीज बात कर लो। वो पहले तो फोन उठाता ही नहीं था और अगर उठाया, तो बुरी तरह बात करता था। अभिनेत्री ने बताया कि उस दिन उन्होंने तय किया था कि वे अपने जीवन में किसी को इतना हक नहीं देंगी, कि वो उनका इतना बुरा हाल कर दे। उन्होंने यह भी जोड़ा था कि वो उनके जीवन का सबसे बड़ा हार्ट ब्रेक था। समय बीता और यह सब पीछे चला गया।

ईरानी प्रतिनिधिमंडल पहुंचा भारत, भुवनेश्वर के ब्रिक्स शिक्षा बैठक में लेगा हिस्सा

- ईरान से भी एक प्रतिनिधिमंडल इस बैठक में हिस्सा लेने भारत पहुंचा है। ईरान के विज्ञान, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के कार्यवाहक मंत्री डॉ. मसूद शमश बख्श और प्रौद्योगिकी एवं नवाचार विभाग के उपमंत्री डॉ. मोहम्मद नबी शाहिकी ताश बुधवार को नई दिल्ली पहुंचे।

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 05 अगस्त

भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता में 13वीं ब्रिक्स शिक्षा मंत्रियों की बैठक बुधवार से ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में शुरू हो रही है। यह बैठक 5 से 7 अगस्त तक चलेगी। इसमें 200 से ज्यादा प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं, जिनमें शिक्षा मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। ईरान से भी एक प्रतिनिधिमंडल इस बैठक में हिस्सा लेने भारत पहुंचा है। ईरान के विज्ञान, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के कार्यवाहक मंत्री डॉ. मसूद शमश बख्श और प्रौद्योगिकी एवं नवाचार विभाग के उपमंत्री डॉ. मोहम्मद नबी शाहिकी ताश बुधवार को नई दिल्ली पहुंचे। वे भुवनेश्वर में होने वाली बैठक में शामिल होंगे। इसकी जानकारी ईरानी दूतावास के आधिकारिक 'एक्स' पोस्ट के जरिए दी गई। ईरान के दूतावास ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा कि दिल्ली में अपने प्रवास के दौरान ईरानी प्रतिनिधि भारत के कई अग्रणी वैज्ञानिक और तकनीकी संस्थानों का दौरा भी करेंगे।

इस बैठक का आयोजन तीन दिन तक होगा, जिसमें 5 अगस्त को ब्रिक्स शिक्षा वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक हो रही है। 6 अगस्त को मंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों की संयुक्त चर्चा होगी और 7 अगस्त को 13वीं ब्रिक्स शिक्षा मंत्रियों की आधिकारिक बैठक होनी है, जिसमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी भी शामिल होंगे। इस बैठक में सदस्य देशों के बीच शिक्षा सहयोग, नवाचार और कौशल विकास जैसे मुद्दों पर बातचीत होगी। भारत ने इस बार ब्रिक्स की अध्यक्षता के दौरान युवाओं की भागीदारी को सबसे ज्यादा महत्व दिया है। इसी सोच के साथ 'मॉडल ब्रिक्स' नाम की एक छात्र-केंद्रित पहल शुरू की गई है।

यह पहल ब्रिक्स की मंत्रिस्तरीय बैठकों के साथ-साथ देश के अलग-अलग हिस्सों में आयोजित की जाएगी। इसका मकसद युवा नागरिकों को ब्रिक्स की प्रक्रिया से जोड़ना है। साथ ही उन्हें कूटनीति, बहुपक्षीय सहयोग और सहमति बनाने के तरीके समझाने में मदद करना है।

ब्राजील ने राजदूत के खिलाफ अमेरिकी वीजा कार्रवाई की निंदा की

रियो डी जनेरियो, यूटर्न/ 05 अगस्त । अमेरिका द्वारा ब्राजील की राजदूत का वीजा रद्द करने पर ब्राजील सरकार ने कड़ी नाराजगी जताई। ब्राजील ने अमेरिकी विदेश मंत्रालय के इस फैसले को गलत और आधारहीन बताया। मामला ब्राजील की वाशिंगटन में तैनात राजदूत मारिया लुइजा रिबेरो वियोटी के वीजा से जुड़ा है। अमेरिकी सरकार ने पिछले महीने ब्राजील द्वारा दो अमेरिकी अधिकारियों को वीजा न देने और ट्रंप प्रशासन के नए राजदूत की नियुक्ति में देरी करने के जवाब में यह कदम उठाया। विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि जिन दो अमेरिकी अधिकारियों को वीजा देने से मना किया गया था, वे ब्राजील के चुनावी सिस्टम की जांच करने आना चाहते थे। ब्राजील ने इसे देश के आंतरिक मामलों में अस्वीकार्य दखल करार दिया। नए अमेरिकी राजदूत की नियुक्ति पर भी ब्राजील ने सफाई देते हुए कहा कि अमेरिका ने डेनियल पेरेज का नाम सार्वजनिक रूप से घोषित कर दिया था जबकि औपचारिक मंजूरी के लिए अनुरोध बाद में भेजा गया। ब्राजील के मुताबिक यह वियना कन्वेंशन के अनुच्छेद 4 का उल्लंघन है। बयान में कहा गया, 'वियना कन्वेंशन में कहीं यह नहीं लिखा कि मंजूरी कितने दिन में देनी है। अमेरिका का प्रस्ताव अभी हमारी समीक्षा में है।'

संक्षिप्त खबरें

अंतरराष्ट्रीय बैठकों में प्रतिनिधित्व की मांग पर अड़ा अफगानिस्तान

काबुल, यूटर्न/ 05 अगस्त । संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अफगानिस्तान में तालिबान शासन के पांच वर्ष पूरे होने के मद्देनजर होने वाली समीक्षा बैठक से पहले अफगानिस्तान के मौजूदा प्रशासन ने अंतरराष्ट्रीय बैठकों में अपने प्रतिनिधि की भागीदारी सुनिश्चित करने की मांग की है। अफगान रेडियो स्टेशन 'सलाम वतनदार' की रिपोर्ट के अनुसार, सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि अफगानिस्तान के प्रतिनिधियों की अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उपस्थिति के लिए आवश्यक परिस्थितियां बनायी जानी चाहिए। वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र में अफगानिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि के रूप में पूर्व सरकार द्वारा नियुक्त नसीर अहमद फाइक नाममात्र के प्रतिनिधि बने हुए हैं। श्री मुजाहिद ने कहा, 'अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय समुदाय का अभिन्न हिस्सा है और सभी देशों को संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता का अधिकार है। अफगानिस्तान के इस अधिकार को भी मान्यता मिलनी चाहिए थी, लेकिन लगभग पांच वर्षों से इसे नजरअंदाज किया जा रहा है। मानवाधिकारों की रक्षा का दावा करने वाले संगठन के लिए यह दुर्भाग्यपूर्ण है। अफगानिस्तान संयुक्त राष्ट्र में उपस्थित होकर अपने अधिकारों की रक्षा करना और अपने संबंध में उठाए जाने वाले मुद्दों पर जवाब देना चाहता है।

इजरायल से वार्ता के समर्थकों को हिजबुल्ला की चेतावनी

बेरूत, यूटर्न/ 05 अगस्त ।

लेबनान के शिया संगठन हिजबुल्ला ने इजरायल के साथ वार्ता का समर्थन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी देते हुए कहा है कि जो लोग इजरायली एजेंडे का हिस्सा बनेंगे और प्रतिरोध आंदोलन के खिलाफ कदम उठाएंगे, उनका विरोध किया जाएगा। हिजबुल्ला के महासचिव नईम कासिम ने मंगलवार को वीडियो संदेश में कहा, 'जो लोग इजरायली परियोजना में शामिल होकर प्रतिरोध, उसके समर्थकों और हमारे देश के खिलाफ कार्रवाई करेंगे, उनका हम उसी तरह मुकाबला करेंगे, जैसे दुश्मन का करते हैं।'

उन्होंने लेबनान के राजनीतिक नेतृत्व से इजरायल के साथ बातचीत में बिना किसी प्रतिफल के रियायतें नहीं देने, हिजबुल्ला के साथ संवाद शुरू करने, आंतरिक एकता बहाल करने और राष्ट्रीय संप्रभुता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आ'ान किया। श्री कासिम ने कहा कि हिजबुल्ला लितानी नदी के दक्षिण में लेबनानी सेना की तैनाती का समर्थन करता है, बशर्ते इजरायली सेना लेबनान के सभी क्षेत्रों से पूरी तरह हट जाये। उन्होंने कहा कि जब तक दक्षिणी लेबनान पर हमले और विनाश जारी रहेंगे, तब तक पूरे देश में स्थिरता संभव नहीं है।

असम बाढ़: जेपी नड्डा ने राहत शिविरों का किया दौरा, कहा- केंद्र से हर संभव मदद मिलेगी

» गुवाहाटी, यूटर्न/ 05 अगस्त ।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने बुधवार को असम के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर प्रभावित लोगों से मुलाकात की और भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए राज्य को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित लोगों के जीवन को फिर से पटरी पर लाने के लिए किसी भी तरह के संसाधनों की कमी नहीं आने दी जाएगी।

केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के साथ शिवसागर जिले के बाढ़ प्रभावित बिहुबोर और नेपाली खुती क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बाढ़ से प्रभावित परिवारों से बातचीत की और जमीनी हालात का जायजा लिया।

प्रभावित लोगों को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार असम के लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा, 'भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से मैं मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और असम के सभी लोगों को भरोसा दिलाता हूं कि राहत कार्यों के लिए धन या संसाधनों की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। केंद्र सरकार राज्य को पूरी वित्तीय सहायता उपलब्ध करा रही है।'

नड्डा ने बताया कि केंद्र सरकार की टीमें पहले से ही बाढ़ से हुए नुकसान का विस्तृत आकलन कर रही हैं, ताकि पुनर्वास और पुनर्निर्माण का काम तेजी से पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार राहत और पुनर्वास की प्रक्रिया में पूरी तरह सक्रिय है।

शिवसागर जिले के बिहुबोर और नेपाली खुती क्षेत्रों में आई बाढ़ से भारी तबाही हुई है। सैकड़ों मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं, कृषि भूमि जलमग्न हो गई है और बड़ी संख्या में लोगों का पशुधन भी नष्ट हुआ है। बाढ़ के कारण सड़कें और अन्य सार्वजनिक ढांचा भी प्रभावित हुआ, जिससे कई परिवारों को राहत शिविरों और अस्थायी आश्रयों में रहने के लिए मजबूर होना पड़ा।

दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री ने राहत शिविरों में रह रहे विस्थापित परिवारों से मुलाकात की तथा उनके घर, घरेलू सामान, फसल और आजीविका को हुए नुकसान की जानकारी ली। दोनों नेताओं ने अधिकारियों से राहत एवं पुनर्वास कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की। गौरतलब है कि असम सरकार बाढ़ प्रभावित जिलों में राहत कार्यों और नुकसान के आकलन का अभियान चला रही है। राज्य सरकार ने क्षतिग्रस्त मकानों, फसलों, पशुधन और आजीविका के नुकसान के लिए मुआवजा एवं वित्तीय सहायता देने की घोषणा की है। साथ ही क्षतिग्रस्त सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की मरम्मत का काम भी जारी है। केंद्र सरकार के इस आश्वासन से राज्य में चल रहे पुनर्वास कार्यों को और गति मिलने की उम्मीद है, ताकि बाढ़ प्रभावित हजारों परिवारों को जल्द से जल्द सामान्य जीवन में लौटने में मदद मिल सके।

हमास के पूरी तरह निरस्त्रीकरण तक गाजा से नहीं हटेगी इजरायली सेना : पीएम नेतन्याहू

» यरूशलेम, यूटर्न/ 05 अगस्त ।

इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने साफ कर दिया है कि जब तक हमास पूरी तरह से हथियार नहीं हटाता, तब तक इजरायली सेना गाजा में अपनी मौजूदा जगहों से पीछे नहीं हटेगी। सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में नेतन्याहू ने कहा, 'हमने इजरायल के सैनिकों को निर्देश दिया है कि वे हमारे नागरिकों की सुरक्षा के लिए जो जरूरी है वो करें।' अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा था कि उनकी 'पीस बोर्ड' ने गाजा में हमास और अन्य सशस्त्र समूहों के पूरी तरह निरस्त्रीकरण के लिए एक समझौते का मसौदा तैयार किया है। इस पर पीएम नेतन्याहू ने कहा कि व्हाइट हाउस ने हमें एक ड्राफ्ट भेजा था, लेकिन हमने उससे सहमति नहीं जताई। यह हमारा ड्राफ्ट नहीं है। हमने अपने सुझाव भेज दिए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की घोषणा के एक दिन बाद हमास ने कहा कि उसने गाजा युद्धविराम समझौते के दूसरे चरण के रोडमैप के नए संस्करण पर सहमति दे दी है। हालांकि इसके साथ उसने शर्तें भी रखीं। हमास का कहना है कि हथियारों को लेकर कोई भी फैसला तभी होगा जब हमले पूरी तरह बंद हों, इजरायल गाजा से अपनी सेना हटाए और इलाके के पुनर्निर्माण में प्रगति हो। इस बीच बीते हफ्ते गाजा में इजरायली हमलों में कई लोगों की मौत हुई, जिनमें बच्चे और आम नागरिक भी शामिल थे। इसके बाद कतर, मिस्र और तुर्की ने सोमवार को संयुक्त बयान जारी कर इसकी निंदा की।

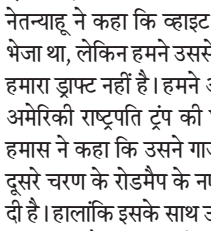

भारत के प्रस्तावित एफसीआरए संशोधन विधेयक पर अमेरिकी प्रतिनिधि ने जताई आपत्ति

» वाशिंगटन, यूटर्न/ 05 अगस्त ।

अमेरिका के एक प्रतिनिधि ने भारतीय संसद में पेश होने वाले विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक-2026 पर आपत्ति जताई है। रिपब्लिकन प्रतिनिधि राइली एम. मूर ने कहा कि यह विधेयक ईसाई समुदाय पर सीधा हमला है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इसे पारित किया गया तो यह मुद्दा भारत-अमेरिका के द्विपक्षीय संबंधों में बड़ी चिंता का विषय बन सकता है। राइली मूर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'भारत में ईसाई तब से हैं, जब हमारे ईसा मसीह के पुनरुत्थान के कुछ ही दशकों बाद सेंट थॉमस द एपोसल मालाबार तट पर आए थे। लेकिन ईसाइयों के इतने लंबे इतिहास के बावजूद भारत की संसद 'विदेशी अंशदान (विनियमन)' (एफसीआरए) नियमों में बदलाव करने पर विचार कर रही है, ताकि सरकार चर्चों और धार्मिक चैरिटी संस्थाओं का नियंत्रण अपने हाथ में ले सके।' उन्होंने आगे लिखा कि यह ईसाई समुदाय पर सीधा हमला है। अगर यह विधेयक इसी रूप में पारित होता है, तो यह भारत-अमेरिका के द्विपक्षीय संबंधों में चिंता का बड़ा कारण बन सकता है।

पिछले 3 महीने में 1,000 से ज्यादा जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित निकाला : सेंटकॉम

वाशिंगटन, यूटर्न/ 05 अगस्त । खाड़ी में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने कहा कि रणनीतिक रूप से होर्मुज स्ट्रेट का दक्षिणी मार्ग व्यापारिक जहाजों के लिए खुला है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड यानी सेंटकॉम के मुताबिक, पिछले तीन महीनों में अमेरिकी सेना ने 1,000 से ज्यादा जहाजों को इस रास्ते से सुरक्षित पार कराया है। सेंटकॉम ने 'एक्स' पर पोस्ट कर बताया, 'होर्मुज स्ट्रेट का दक्षिणी मार्ग सभी व्यापारिक जहाजों के लिए खुला और सुरक्षित है। पिछले तीन महीनों में अमेरिकी सेनाओं ने ईरान के अनुचित रवैये के बावजूद 1,000 से ज्यादा जहाजों को इस अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग से सफलतापूर्वक निकलवाया है। यह सिलसिला अब भी जारी है।' सेंटकॉम ने कहा कि वह इलाके में नौवहन की सुरक्षा के लिए लगातार काम कर रहा है। अमेरिका ने खाड़ी में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा रखी है ताकि अंतरराष्ट्रीय पानी में व्यापारिक आवाजाही बेरोकटोक हो सके। सेंटकॉम ने जानकारी दी कि 4 अगस्त तक अमेरिकी बलों ने 45 व्यापारिक जहाजों का रास्ता बदला, 2 जहाजों को निष्क्रिय किया और 2 जहाजों की तलाशी ली ताकि नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619
* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *